आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 229 | उज्जैन, बुधवार 09 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

हरदा का हृदय अभियान बना आदर्श उदाहरण, राज्य नीति आयोग ने की सराहना

टेक्सटाइल, फार्मा, स्टील, एथेनॉल और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में निवेश की जताई रुचि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर विकास प्रक्रियाओं में नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। नवाचारों की श्रृंखला में हरदा जिले में स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा का संयुक्त हृदय अभियान आदर्श उदाहरण साबित हुआ। राज्य नीति आयोग ने भी इस अभियान की सराहना की है। जिले के स्वास्थ्य एवं शिक्षा के सूचकांकों में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

हरदा जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण तथा शैक्षिक सेवाओं को हृदय अभियान के अंतर्गत माताओं, बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार लाया गया। सभी हितग्राही माताएँ और 18 वर्ष तक के बच्चों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाया गया। मातृ मृत्यु, शिशु मृत्यु के आंकड़ों में कमी लाने और कुपोषण को कम करने के लिये एक साथ विशेष गतिविधियां चलाई गई। इसके लिए घर-घर जाकर सर्वेक्षण कर जानकारी प्रदान करना, गर्भवती माताओं को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना और बालक-बालिकाओं को पुनः शिक्षा से जोड़ने जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियां चलाई गई। ऐसे गांवो का चयन किया गया जिनके स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा संबंधी सूचकांक पिछले कुछ वर्षों में न्यूनतम रहे।

कैसे हुई हृदय अभियान की शुरुआत

जिले में नवाचार के रूप में कुपोषण मुक्त करने और जनजातीय क्षेत्र में शिक्षा तथा स्वास्थ्य की सुविधाओं की पहुंच बच्चों और महिलाओं तक बढ़ाने के उद्देश्य से हृदय अभियान चलाया गया। दूर दराज के 50 गांवों को चिन्हित किया गया, जिनमें गर्भवती माताओं और बच्चों की समस्या दूसरे गांवों की अपेक्षा ज्यादा थी। स्वास्थ्य, महिला बाल विकास और स्कूल शिक्षा विभागों का संयुक्त सर्वे कराया गया। संयुक्त दल ने डोर-टू-डोर सर्वे कर रिपोर्ट दी। गर्भवती माताओं का पंजीयन, टीकाकरण और हाई रिस्क महिलाओं का प्रबंध ग्राम और संस्था स्तर पर किया गया।

4 हथियारबंद लुटेरों ने की सूरत के ज्वैलरी शोरूम में डकैती की कोशिश, सुनार की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के सूरत में लूटपाट करते समय 4 हथियारबंद लुटेरों ने एक सुनार की गोली मारकर हत्या कर दी और एक शख्स को घायल कर दिया। डीएसपी नीरव गोहिल ने बताया कि सोमवार (07 जुलाई, 2025) की रात को हुई इस वारदात के बाद तीन लुटेरे भागने में सफल रहे जबकि एक को स्थानीय लोगों ने पीछा करने के बाद पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

उन्होंने बताया कि 4 हथियारबंद लुटेरे रात करीब साढ़े आठ बजे सचिन इलाके में श्रीनाथ ज्वैलर्स के शोरूम में घुसे थे। डीएसपी गोहिल ने कहा, जब शोरूम के मालिक आशीष राजपारा ने लुटेरों के रोकने की कोशिश की तो उन्होंने राजपारा पर गोलियां चला दीं। राजपारा के सीने में दो गोलियां लगीं, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया और कुछ ही देर बाद उनकी मौत हो गई। लुटेरे बेहद ही कीमती सामान लूटकर भाग रहे थे।

स्थानीय लोगों ने पीछा करके पकड़ा एक लुटेरा- उन्होंने आगे बताया, जब स्थानीय लोगों ने लुटेरों का पीछा करना शुरू किया तो उन्होंने पीछा कर रहे लोगों पर भी फायरिंग की। नाजिम शेख नाम के एक शख्स के पैर में गोली लगी है। हालांकि इन 4 लुटरों में से एक को पकड़ लिया गया और उसकी जमकर पिटाई की। बाद में पुलिस के हवाले कर दिया। इस लुटेरे का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

भाषा विवाद को लेकर ठाणे में बवाल, रैली निकालने पर निकाल कर MNS के कई कार्यकर्ता हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे की मीरा रोड से पुलिस ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। ये कार्यकर्ता हिंदी न बोलने पर थप्पड मारने वाली एक घटना के बाद हुए विरोध प्रदर्शन के जवाब में प्रदर्शन कर रहे थे।

पुलिस ने कहा कि उन्होंने इस रूट पर प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी थी। गुस्साए कार्यकर्ताओं ने सवाल उठाया कि जब दुकानदारों को विरोध करने की छूट मिली, तो उनकी विरोध पर पाबंदी क्यों? कई कार्यकर्ताओं ने धमकी भरे लहजे में कहा, महाराष्ट्र में रहने वाला हर शख्स मराठी सीखे, वरना अंजाम भुगतेगा।

पुलिस एमएनएस कार्यकर्ताओं को वैन में बिठाकर थाने ले गए। इस बीच, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सफाई दी कि पुलिस ने प्रदर्शन की इजाजत देने से इनकार नहीं किया था। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में हर किसी को विरोध करने का हक है, बशर्ते पुलिस की इजाजत हो। ट्रैफिक और भीड़ का खतरा था। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि एमएनएस नेताओं से रास्ता बदलने को कहा गया, मगर वो अड़े रहे, इसलिए उन्हें रोका गया।

तौलिया, चाकू और हेयर क्लीप... छुट्टी पर घर जा रहे आर्मी अफसर ने रेलवे स्टेशन पर कराई महिला की डिलीवरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने हाल ही में एक जवान की जमकर प्रशंसा की, जिसके पीछे की वजह जानकर आप भी चौंक जाएंगे। आमतौर पर जवानों का कर्तव्य देश की रक्षा करना है, मगर ड्यूटी से परे एक जवान ने मानवता की ऐसी मिसाल पेश की है कि आर्मी चीफ भी उनकी तरीफ करने से खुद को रोक नहीं सके।

रेलवे स्टेशन पर करवाई महिला की डिलीवरी- यह मामला 5 जुलाई 2025 की है। झांसी के मिलिट्री अस्पताल में कार्यरत मेजर बचवाला रोहित हैदराबाद में स्थित अपने घर के लिए रवाना हुए। तभी झांसी रेलवे स्टेशन पर मेजर रोहित को दर्द में कराहती एक युवती दिखी। महिला प्रेग्नेंट थी और उसको प्रसव पीड़ा हो रही थी। ऐसे में मेजर रोहित ने अपनी सूझबूझ से रेलवे स्टेशन पर ही तौलिया लगाकर महिला की डिलीवरी करवाई।

आर्मी के अनुसार, अपनी चिकित्सा कौशल और सूझबूझ का इस्तेमाल करते हुए मेजर रोहित ने आपातकाल डिलीवरी करवाई। उन्होंने तौलिया, चाकू और बाल में लगाने वाली हेयर क्लिप की मदद से रेलवे स्टेशन पर ही महिला की डिलीवरी कराई।

डिलीवरी की तस्वीरें वायरल- मेजर रोहित की रेलवे स्टेशन पर डिलीवरी करवाने वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इनमें वो डिलीवरी के बाद बच्चे को हाथ में लिए भी दिखाई दे रहे हैं।

मेजर रोहित ने क्या कहा- समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत के दौरान मेजर रोहित ने कहा, मैं आर्मी में मेडिकल ऑफिसर हूं और वर्तमान में झांसी के मिलिट्री अस्पताल में कार्यरत हूं।

तमिलनाडु में रेलवे ट्रैक पार कर रही स्कूल बस को ट्रेन ने मारी टक्कर, तीन मासूमों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के कडलूर जिले के चेम्मनकुप्पम इलाके में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ, जब तेज रफ्तार से आ रही ट्रेन ने बिना फाटक वाले रेलवे क्रॉसिंग पर स्कूल वैन को जोरदार टक्कर मार दी। इस भयानक हादसे में तीन मासूम बच्चों की जान चली गई, जबकि दस बच्चे और वैन का ड्राइवर गंभीर रूप से जख्मी हो गए। यह हादसा उस वक्त हुआ जब स्कूल वैन रेलवे ट्रैक पार करने की कोशिश कर रही थी, तभी चिदंबरम जा रही एक पैसेंजर ट्रेन ने वैन को टक्कर मार दी और उसे करीब 50 मीटर तक घसीट लिया।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन पूरी तरह तहस-नहस हो गई। हादसे में तीन बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि बच्चों के नाम अभी तक सामने नहीं आए हैं।

चश्मदीदों के मुताबिक, वैन में स्कूल के बच्चे सवार थे। हादसे के बाद घायल बच्चों और ड्राइवर को फौरन कडलूर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों का कहना है कि मरने वालों की तादाद बढ़ सकती है।

वैन ड्राइवर की लापरवाही से हुआ हादसा- स्थानीय लोगों और रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, यह हादसा वैन ड्राइवर की लापरवाही की वजह से हुआ। बताया जा रहा है कि ड्राइवर ने ट्रेन को देखने के बावजूद जल्दबाजी में ट्रैक पार करने की कोशिश की। रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स और जिला प्रशासन ने हादसे की तहकीकात शुरू कर दी है, ताकि इसकी असल वजह का पता लगाया जा सके और जिम्मेदारों को सजा दी जाए।

एविएशन मिनिस्ट्री को सौंपी गई एअर इंडिया क्रैश की प्रारंभिक रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया क्रैश की प्रारंभिक रिपोर्ट विमानन मंत्रालय को सौंप दी गई हैये रिपोर्ट करीब चार सप्ताह के बाद आई है। समाचार एजेंसी एएनआई ने शीर्ष सरकारी अधिकारियों के हवाले से बताया कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने एयर इंडिया 171 विमान दुर्घटना पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट नागरिक उड्डयन मंत्रालय और अन्य संबंधित अधिकारियों को सौंप दी है। ये रिपोर्ट जांच ब्यूरो के शुरुआती आकलन और जांच के शुरुआती फेज में जुटाई गई फाइंडिंग्स पर आधारित है।

जैसे G-20 की अध्यक्षता की, वैसे ही ब्रिक्स को नए रूप में परिभाषित करेंगे, पीएम मोदी के एलान से गदगद हुए कई देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिक्स संगठन की अध्यक्षता की जिम्मेदारी संभालने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह साफ कर दिया है कि भारत की कोशिश इस संगठन को नए रूप में परिभाषित करने की होगी। ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स के अगले वर्ष का नेतृत्व भारतीय प्रधानमंत्री को सौंपा गया।

मोदी ने कहा- अगले वर्ष भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता में हम सभी विषयों पर करीबी सहयोग जारी रखेंगे। हम ब्रिक्स को नए रूप से परिभाषित करने पर काम करेंगे। ब्रिक्स का मतलब होगा, बिल्डिंग रेसिलिएंस एंड इनोवेशन फार कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी (क्षमता निर्माण, सहयोग व सतत विकास के लिए अन्वेषण)।

ब्रिक्स को मानवता प्रथम की भावना से आगे बढ़ाएंगे- मोदी ने आगे कहा कि जिस तरह अपनी अध्यक्षता के दौरान हमने जी-20 को व्यापकता दिलाई, ग्लोबल साउथ के विषयों को एजेंडे में प्राथमिकता दिलाई, उसी तरह ब्रिक्स की अध्यक्षता के दौरान हम इस फोरम को आम जनता केंद्रित और मानवता प्रथम की भावना से आगे बढ़ाएंगे।

ब्रिक्स के सफल आयोजन में कोई कसर नहीं छोड़ेगा भारत- पीएम के इस बयान से साफ है कि भारत ब्रिक्स के सफल आयोजन में कोई कसर नहीं छोड़ने जा रहा। अगले वर्ष ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में इसके 10 सदस्यों के अलावा 12 साझेदार देश और कम से कम 10-15 विशेष तौर पर आमंत्रित अन्य देशों के प्रमुखों के भारत आने की संभावना है।

चीन के राष्ट्रपति भी आ सकते हैं भारत- भारत अपने हितों व रिश्तों को देखकर विशेष तौर पर देशों को आमंत्रित करेगा। अगर सब कुछ ठीक रहा तो अगले वर्ष ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रूस के राष्ट्रपति ब्लॉदिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग जैसे वैश्विक नेता भी भारत आ सकते हैं।

यह भी देखना होगा कि ब्रिक्स को लेकर ब्राजील बैठक में पीएम नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह से प्रतिबद्धता दिखाई है और इस संगठन की तारीफ की है उसको लेकर अमेरिका की प्रतिक्रिया कैसी होती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ब्रिक्स को लेकर बहुत खुश नहीं हैं।

सुधर जाओ वरना..., भारतीय मूल के जोहरान ममदानी पर क्यों फूटा ट्रंप का गुस्सा? खुलेआम दे डाली धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस समय अमेरिका के दौरे पर हैं। सोमवार को उन्होंने व्हाइट हाउस में ट्रंप के साथ डिनर भी किया। हालांकि, इसी बीच भारतीय मूल के अमेरिकी मेयर उम्मीदवार जोहरान ममदानी ने नेतन्याहू को गिरफ्तार करने की धमकी दे डाली। जोहरान की धमकी सुनकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का गुस्सा भी फूट पड़ा।

डोनाल्ड ट्रंप ने खुलेआम जोहरान को चेतावनी दी कि अगर उन्होंने ठीक से बर्ताव नहीं किया तो व्हाइट हाउस से मिलने वाले फंड पर रोक लगा दी जाएगी।

जोहरान ममदानी को ट्रंप की चेतावनी

डोनाल्ड ट्रंप ने जोहरान को कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा, ÷ममदानी समाजवादी नहीं है, वो एक कम्युनिस्ट हैं। वो यहूदियों के बारे में बहुत से गलत बयान दे चुके हैं।

ट्रंप ने आगे कहा- हो सकता है जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क का मेयर चुनाव जीत जाएं। मगर, आखिर में उन्हें व्हाइट हाउस की तरफ ही देखना होगा। उन्हें फंड व्हाइट हाउस से ही जाएगा। उन्हें ठीक से बर्ताव करना होगा, वरना उनके लिए बड़ी परेशानी खड़ी हो सकती है।

ममदानी ने नेतन्याहू को दी थी धमकी- बता दें कि इजरायली पीएम के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिमिनल कोर्ट ने अरेस्ट वॉरंट जारी किया है। ऐसे में नेतन्याहू के अमेरिका दौरे पर बात करते हुए जोहरान ने धमकी भरे लहजे में कहा था कि अगर वो न्यूयॉर्क में आएंगे तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बता दें कि जोहरान ममदानी विपक्षी पार्टी डैमोक्रेट्स के सदस्य हैं और वो न्यूयॉर्क में मेयर पद के चुनाव में खड़े हैं।

ममदानी ने किया पलटवार- हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने जोहरान ममदानी को धमकी दी है। इससे पहले भी वो ममदानी को गिरफ्तार करने और उनकी नागरिकता छीनने की बात कह चुके हैं। इसपर पलटवार करते हुए जोहरान ममदानी ने कहा था कि वो इन धमकियों से डरने वाले नहीं हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने मार गिराए थे राफेल? लड़ाकू विमान बनाने वाली कंपनी ने खुद किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। डसॉल्ट एविएशन के चेयरमैन और सीईओ एरिक ट्रैपियर ने पाकिस्तान के नापाक मंसूबों पर पानी फेर दिया है।

उन्होंने उन फर्जी खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है जिनमें दावा किया गया कि भारत ने हाल ही में पाकिस्तान के साथ सैन्य तनातनी के दौरान राफेल लड़ाकू विमान गंवा दिए।

फ्रांस ने भी खोली पाकिस्तान और चीन की पोल- फ्रांसीसी अधिकारियों ने खुलासा किया कि पाकिस्तान और चीन मिलकर राफेल के खिलाफ सोशल मीडिया पर झूठी खबरें फैला रहे हैं। फ्रांस का कहना है कि इस साजिश में राफेल के मलबे की फर्जी तस्वीरें, AI से बने कंटेंट और 1,000 से ज्यादा नए बनाए गए सोशल मीडिया अकाउंट शामिल हैं। इनका मकसद चीनी तकनीक को बेहतर दिखाना और राफेल की साख को चोट पहुंचाना है।

फर्जी खबरों के निशाने पर क्यों आया राफेल- चीनी अधिकारी उन देशों को निशाना बना रहे हैं, जिन्होंने राफेल खरीदा है या जो इसे खरीदने की सोच रहे हैं। फ्रांसीसी खुफिया जानकारी के मुताबिक, यह एक सुनियोजित साजिश है, जिसका मकसद फ्रांस के लड़ाकू विमान को बदनाम करना है।

फ्रांसीसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि राफेल के खिलाफ झूठ का एक बड़ा जाल बुना जा रहा है, ताकि चीनी हथियारों को बेहतर दिखाया जाए।

मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, राफेल को यूं ही निशाना नहीं बनाया गया। यह एक बेहद काबिल लड़ाकू विमान है, जिसे कई देशों को निर्यात किया गया है और इसे बड़े सैन्य अभियानों में तैनात किया जाता है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर ट्रंप का कड़ा रुख, एंटी-अमेरिकन नीतियों पर दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्राजील के रियो डी जनेरियो में 6-7 जुलाई को आयोजित 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा है कि ब्रिक्स समूह अमेरिका के हितों को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है, और वे ऐसा नहीं होने देंगे।

व्हाइट हाउस ने सोमवार को पुष्टि की कि ट्रंप ब्रिक्स देशों की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं और अमेरिका के खिलाफ किसी भी तरह के फैसले पर सख्त कदम उठाएंगे।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने बताया कि ट्रंप को लगता है कि ब्रिक्स अमेरिका के हितों के खिलाफ काम कर रहा है। इसलिए उन्होंने सभी संभावित कदम उठाने का संकल्प लिया है ताकि कोई भी देश अमेरिका और इसके नागरिकों का फायदा न उठा सके।

ट्रंप ने क्या कहा- ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा, जो भी देश ब्रिक्स की एंटी-अमेरिकन नीतियों के साथ खड़ा होगा, उस पर 10% अतिरिक्त टैरिफ लगेगा। कोई अपवाद नहीं होगा। ब्रिक्स सम्मेलन में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के साथ मिस्र, इथियोपिया, ईरान, यूएई और इंडोनेशिया जैसे नए सदस्य भी शामिल हुए।

हम यूक्रेन को और हथियार भेजेंगे, ट्रंप का फिर यू-टर्न; अचानक किया बड़ा एलान

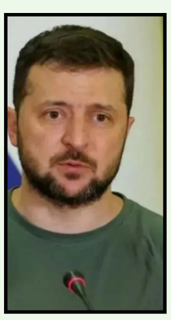

नई दिल्ली (एजेंसी)। फरवरी 2022 में शुरू हुई रूस और यूक्रेन की जंग के हाल फिलहाल में रुकने के कोई आसान नहीं दिख रहे हैं। दोनों देशों के बीच सीजफायर पर सहमति न बनने के बाद अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी बड़ा एलान कर दिया है। ट्रंप का कहना है कि अमेरिका जल्द ही यूक्रेन को हथियार भेजने वाला है।

मीडिया से बातचीत के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि सभी को अपनी रक्षा करने का अधिकार है, इसलिए अमेरिका यूक्रेन को हथियार भेजेगा।

डोनाल्ड ट्रंप के अनुसार, हम यूक्रेन को हथियार भेजने की तैयारी कर रहे हैं। उन्हें भी अपनी सुरक्षा करने का पूरा अधिकार है। उनपर काफी ज्यादा हमले को रहे हैं। वहां बहुत सारे लोग मर रहे हैं।

ट्रंप ने की थी पुतिन से बात- बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने 3 जुलाई को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात की थी। दोनों की बातचीत लगभग 1 घंटे तक चली। ट्रंप ने पुतिन को सीजफायर के लिए मनाने की पूरी कोशिश की।

मगर पुतिन ने शर्त रख दी कि अगर यूक्रेन नाटो में शामिल होने की कोशिश नहीं करेगा, तभी सीजफायर के बारे में सोचा जा सकता है।

बांग्लादेश, जापान समेत 14 देशों पर ट्रंप ने फोड़ा टैरिफ बम; भारत के साथ डील को लेकर दी गुड न्यूज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ी खबर देते हुए कहा कि अमेरिका, भारत के साथ एक बड़ा व्यापार समझौता करने के करीब है।

यह बयान उन्होंने सोमवार रात व्हाइट हाउस में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मेजबानी के दौरान दिया। लेकिन इसके साथ ही ट्रंप ने 14 देशों पर नए टैरिफ लगाने का ऐलान भी किया। ये 1 अगस्त से लागू होंगे। ट्रंप का कहना है कि अमेरिका अब व्यापार में कोई ढील नहीं देगा और जो देश समझौता नहीं करेंगे, उन्हें टैरिफ का सामना करना पड़ेगा।

ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अमेरिका ने ब्रिटेन और चीन के साथ व्यापार समझौते कर लिए हैं। उन्होंने बताया कि जिन देशों के साथ समझौता होने की उम्मीद नहीं है, उन्हें लेटर भेजकर टैरिफ की जानकारी दी जा रही है।

ट्रंप ने कहा, हमने सभी से बात की है। जो देश हमारे साथ व्यापार करना चाहते हैं, उन्हें टैरिफ देना होगा। हम निष्पक्ष रहेंगे, लेकिन अमेरिका को अब नुकसान नहीं होने देंगे।

14 देशों पर टैरिफ का ऐलान- ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर 14 देशों को भेजे गए लेटर शेयर किए हैं। इनमें थाईलैंड, म्यांमार, बांग्लादेश, दक्षिण कोरिया, जापान, मलेशिया, कजाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, लाओस, इंडोनेशिया, ट्यूनीशिया, बोस्निया और हर्जेगोविना, सर्बिया और कंबोडिया शामिल हैं।

नेपाल-चीन की सीमा पर बाढ़ ने मचाई तबाही, उफनाई नदी में बह गया मैत्री ब्रिज; 18 लोग लापता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून की एंट्री के बाद न सिर्फ भारत बल्कि नेपाल के भी कई इलाकों में बारिश से त्राहिमाम मच गया है। नदियों ने विकराल रूप धारण कर लिया है, जिससे कुछ जगहों पर बाढ़ के हालात बन गए हैं। इसका असर नेपाल और चीन की सीमा पर भी देखने को मिल रहा है।

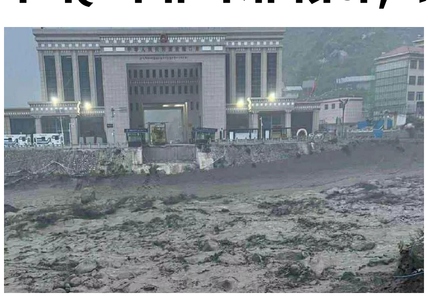

दरअसल नेपाल और चीन के बीच बना मैत्री सेतु भी बाढ़ की भेंट चढ़ गया है। पानी के तेज बहाव में न सिर्फ पुल ढह गया बल्कि 18 लोग भी इसमें बह गए हैं।

भोटेकोशी नदी में बहा ब्रिज- मैत्री पुल नेपाल और चीन को कनेक्ट करने वाला मुख्य ब्रिज था। भोटेकोशी नदी पर बना यह पुल नेपाल के रसुवा जिले को चीन से जोड़ता था। हालांकि, भारी बारिश के कारण भोटेकोशी नदी में बाढ़ के हालात बन गए। बीती रात तकरीबन 3÷15 बजे पुल भी बाढ़ में बह गया। 18 लोग लापता

नेपाल की राजधानी काठमांडू से महज 120 किलोमीटर की दूरी पर बने इस पुल के साथ ही 18 लोग भी तेज बहाव की भेंट चढ़ गए। इनमें 12 नेपाली और 6 चीनी नागरिक शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, सभी 18 लोग अभी लापता है और उनकी खोज की जा रही है।

बाढ़ ने नेपाल में बरपाया कहर- रसुवा के मुख्य जिला अधिकारी अरुण पौडेल के अनुसार, नदी में आई बाढ़ से नेपाल को काफी नुकसान हुआ है। प्रशासन ने आसपास रहने वाले लोगों को सुरक्षित जगह पर जाने के निर्देश दिए हैं। नेपाली सेना और पुलिस मिलकर 18 लापता लोगों की तलाश कर रही है।

नेतन्याहू का मास्टरस्ट्रोक, व्हाइट हाउस में डिनर पर अमेरिकी राष्ट्रपति को दिया खास तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका के दौरे पर हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को उनके लिए व्हाइट हाउस में डिनर का आयोजन किया था। इस दौरान नेतन्याहू ट्रंप के लिए एक खास तोहफा लेकर पहुंचे, जिसे देखकर ट्रंप की खुशी का ठिकाना नहीं था।

दरअसल इजरायली पीएम ने नोबेल प्राइज कमेटी को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने नोबेल पुरस्कार के लिए ट्रंप को नामित करने की सिफारिश की थी। नेतन्याहू इसी पत्र की एक कॉपी लेकर व्हाइट हाउस पहुंचे थे, जो उन्होंने डिनर के दौरान ट्रंप को गिफ्ट कर दी।

नोबेल पुरस्कार के लिए ट्रंप के नाम का भेजा प्रस्ताव- ट्रंप को नॉमिनेशन पत्र की कॉपी देते हुए बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा- राष्ट्रपति ट्रंप ने कई बड़े काम किए हैं। उन्होंने अब्राहम अकॉर्ड संभव बनाया। उन्होंने एक के बाद एक कई देशों और क्षेत्रों में शांति स्थापित करने में अहम योगदान दिया है। इसलिए मैंने यह पत्र नोबेल कमेटी को भेजा है, आप इसके हकदार हैं और आपको यह मिलना ही चाहिए

ट्रंप ने क्या कहा- डिनर के दौरान ट्रंप ने भी इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की जमकर तारीफ की। ट्रंप ने कहा, ÷बीबी (बेंजामिन नेतन्याहू) और सारा को यहां देखकर खुशी हुई। हमने साथ में शानदार जीत हासिल की है। मुझे लगता है कि भविष्य में यह कामयाबी और भी ज्यादा बड़ी होगी।

पटक-पटककर, BJP सांसद निशिकांत दुबे के बयान पर फडणवीस की नसीहत- ये ठीक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद निशिकांत दुबे के मराठी लोगों पर दिए बयान पर बवाल मचा हुआ है। मामले पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार (08 जुलाई, 2025) को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका मानना है कि टिप्पणी मराठी समुदाय के लिए नहीं बल्कि कुछ संगठनों के लिए थी, जिन्होंने इस विवाद को हवा दी।

इसके साथ ही उन्होंने दुबे को नसीहत देते हुए कहा कि मेरा मानना है कि निशिकांत दुबे का बयान पूरी तरह से सही नहीं है। इसके अलावा उन्होंने देश के विकास में महाराष्ट्र के योगदान को याद करते हुए कहा कि देश के विकास में महाराष्ट्र के योगदान को कोई नकार नहीं सकता या भूल नहीं सकता, अगर कोई ऐसा करता है तो यह पूरी तरह से गलत होगा। सीएम फडणवीस ने आगे कहा, मेरे विचार में इस तरह के बयान देना ठीक नहीं है, क्योंकि इसका जो मतलब निकलता है वो लोगों के मन में भ्रम पैदा करता है।

क्या है मामला- देवेंद्र फडणवीस का ये स्पष्टीकरण एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे की हालिया टिप्पणी पर निशिकांत दुबे की प्रतिक्रिया पर आया है, जिसने महाराष्ट्र में राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। राज ठाकरे ने मराठी में बात करने के लिए तैयार नहीं लोगों का जिक्र करते हुए अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को निर्देश देते हुए कहा था कि मारें लेकिन वीडियो न बनाएं।

निशिकांत दुबे ने दी कड़ी प्रतिक्रिया- इस पर बीजेपी सांसद ने कहा, क्या कह रहे हो? किसकी रोटी खा रहे हो? तुम लोग हमारे पैसे से जी रहे हो। तुम्हारे पास किस तरह के उद्योग हैं? झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में सारी खदानें हमारी हैं।

कोलकाता में बारिश ने बढ़ाई लोगों की टेंशन, सड़कें बनीं तालाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में आज सुबह से ही भारी बारिश हो रही है। तेज बरसात के कारण कोलकाता के कई इलाकों में जलभराव की समस्या देखने को मिल रही है। खासकर पश्चिम बंगाल के दक्षिणी हिस्सों में मूसलाधार बारिश से जलजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

कोलकाता और आसपास के इलाकों से गुजरने वाले लोगों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जलभराव से सड़कें तलाब बन चुकी हैं। रातभर की बारिश में यहां घुटनों तक पानी भर गया है।

कहां-कहां हुआ जलभराव- पश्चिम बंगाल के श्याम बाजार, उल्टाडांगा, ढाकुरिया, बेहाला, कोलकाता के ईएम बाईपास, सॉल्ट लेक के सेक्टर 5 और हावड़ा शहर के कुछ इलाकों में भंयकर जलभराव देखने को मिला है।

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट- मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल के ज्यादातर हिस्सों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश के आसार जताए गए थे। वहीं, कुछ जगहों पर भारी बरसात होने का भी अलर्ट जारी किया गया था। ढ्ढरूष्ठ के अनुसार, पुरुलिया और झारग्राम में तेज बारिश होने की संभावना है।

कोलकाता में STF का एक्शन, दो संदिग्ध गिरफ्तार; ISI से निकला कनेक्शन

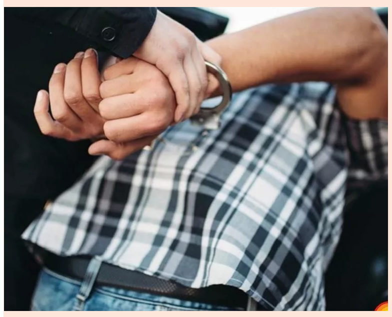

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में स्पेशल टास्क फोर्स ने 2 संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया है। दोनों का पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ISI से कनेक्शन मिला है। STF के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान जिले से दोनों संदिग्धों को पकड़ा गया है। इन संदिग्धों की पहचान राकेश कुमार गुप्ता और मुकेश राजक के रूप में हुई है। राकेश कोलकाता के भोवानीपुर का रहने वाला है तो वहीं, मुकेश पाना गढ़ का निवासी है।

ISI से मिला लिंक- STF के अधिकारी का कहना है कि पाकिस्तान की ISI से दोनों का संबंध मिला है। पिछले कुछ समय से दोनों संदिग्ध आरोपी ISI समेत कई पाकिस्तानी नागरिकों के संपर्क में थे।

STF ने की छापेमारी- STF ने बताया कि दोनों पश्चिम बंगाल के एक NGO (Non Governmental Organization) में काम करते हैं और मेमारी में किराए के घर में रहते हैं। STF ने मेमारी स्थित घर से ही एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

खुफिया जानकारी के आधार पर शनिवार की रात को STF ने यहां रेड मारी और मुकेश को धर दबोचा। वहीं, राकेश अपने इलाज के लिए एक नर्सिंग होम में भर्ती था, जिसे पुलिस ने वहां पहुंचकर गिरफ्तार किया।

देश के इस राज्य में भूकंप के झटके से सहमे लोग, जमीन से 25 किमी अंदर था केंद्र

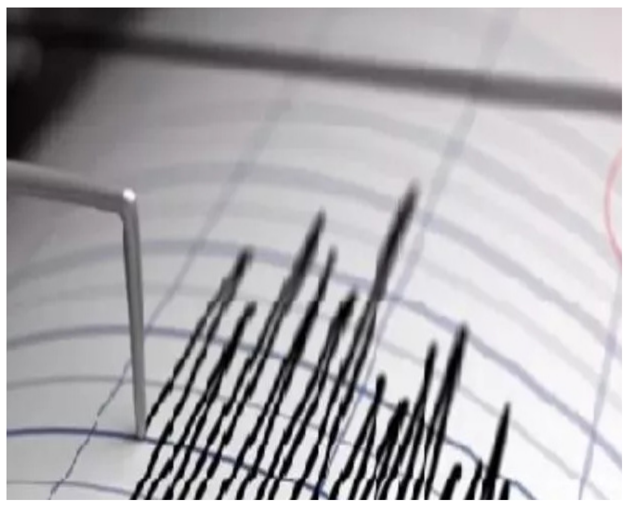

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के कार्बी आंगलोंग में भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने इसकी जानकारी दी है। आज यानी मंगलवार की सुबह कार्बी आंगलोंग में 4.1 के मैग्नीट्यूड का भूकंप आया था।

NCS के अनुसार सुबह 9ः22 बजे भूकंप के झटके लगे। इससे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। भूकंप का केंद्र जमीन से 25 किलोमीटर नीचे मौजूद था। हालांकि रिएक्टर स्केल पर महज 4.1 की तीव्रता के कारण इन झटकों से कोई नुकसान नहीं हुआ।

उत्तराखंड में भी आया भूकंप- NCS ने कुछ देर पहले उत्तराखंड में भी भूकंप के झटकों की जानकारी दी है। NCS के अनुसार, उत्तराखंड के उत्तरकाशी में 3.2 की तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। आज दोपहर 1ः07 बजे आए इस भूकंप का केंद्र जमीन से 5 किलोमीटर नीचे था।

अंडमान में भी लगे थे झटके- बीते दिन अंडमान निकोबार क्षेत्र में भी भूकंप आया था। हृष्टस् ने इसकी सूचना देते हुए बताया कि अंडमान समुद्र से 10 किलोमीटर नीचे भूकंप का केंद्र था। रिएक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.5 मैग्नीट्यूड दर्ज की गई थी। इससे पहले रविवार को भी इसी जगह 4.5 मैग्नीट्यूड का भूकंप महसूस किया गया था।

केरल के दंपती ने सच कर दिखाया फिर हेरा फेरी वाला खेल, 300 से अधिक लोगों को लगाया करोड़ों रुपये का चूना

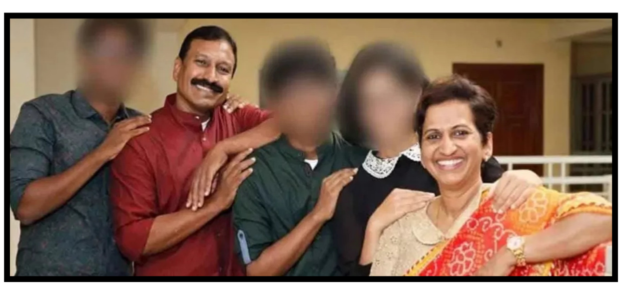

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड की सुपरहिट फिल्म फिर हेरा फेरी में जब राजू (अक्षय कुमार) जल्द अमीर बनने की स्कीम श्याम (सुनील शेट्टी) और बाबू भैया (परेश रावल) को समझाते हैं। तीनों मिलकर लक्ष्मी चीट फंड की मैनेजर अनुराधा (बिपाशा बसु) को 1 करोड़ रुपये देते हैं।

पैसों की लालच में तीनों अपनी सारी संपत्ति चीफ फंड को दे देते हैं। आखिरकार जब तीनों 21 दिनों के बाद 1 करोड़ के बदले 2 करोड़ रुपये लेने जाते हैं, तो तीनों के होश उड़ जाते हैं। तीनों को पता चलता है कि जिस अनुराधा को तीनों पैसे दिए थे उसने उन्हें लूट लिया।

दरअसल, यह तो फिल्म की कहानी है, लेकिन बेंगलुरु में एक ऐसी ही एक घटना घटी है, जहां एक दंपती ने सैकड़ों लोगों को इन्वेस्टमेंट और पैसों के हाई रिटर्न की जाल में फंसा। टॉमी और शाइनी नामक मियां-बीबी पर सैकड़ों लोगों से करोड़ों रुपये ठगने का आरोप है।

केरल निवासी दंपती टॉमी और शाइनी पिछले 25 वर्षों से बेंगलुरु में रह रहे हैं और ए एंड ए चिट्स एंड फाइनेंस नामक चिटफंड संस्था चला रहे हैं, जो निवेश पर 15 से 20 प्रतिशत तक का उच्च रिटर्न देती है।

पीड़ितों ने क्या कहा- पीड़ितों का कहना है कि शुरू में भरोसा बढ़ाने के लिए दंपती लगातार पैसों पर हाई रिटर्न दे रहे थे। लेकिन कुछ दिनों के बाद पैसों का भुगतान बंद हो गया। इसके बाद दंपती से संपर्क भी टूट गया। कम से कम 300 निवेशकों ने दंपती के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है।

राममूर्ति नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के अनुसार, दंपति ने लोगों को अपने जीवन भर की बचत, बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा व्यय और शादियों के लिए अलग रखे गए पैसे निवेश करने के लिए राजी किया। कुछ लोगों ने तो अपनी संपत्ति भी बेचकर ऐसी योजना में निवेश कर दिया जो उन्हें सुरक्षित वित्तीय योजना लगी।

BJP ने खरगे पर लगाया राष्ट्रपति मुर्मू और कोविंद के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने मंगलवार (08 जुलाई, 2025) को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। इसके साथ ही पार्टी ने उनसे और कांग्रेस से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है।

दरअसल, एक दिन पहले मल्लिकार्जुन खरगे ने छत्तीसगढ़ के एक कार्यक्रम में बोलते हुए राष्ट्रपति मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति कोविंद के नामों का कथित तौर पर गलत उच्चारण किया था। हालांकि बाद में उन्होंने अपनी गलती सुधार ली। सोमवार को रायपुर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि बीजेपी हमेशा (द्रौपदी) मुर्मू जी और (राम नाथ) कोविंद जी को देश का राष्ट्रपति बनाने की बात करती है, लेकिन क्या पार्टी ने यह सब हमारी संपत्ति, जंगल, जल और जमीन छीनने के लिए किया है?

बीजेपी ने लगाए गंभीर आरोप- एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि खरगे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी और पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद जी के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने ये भी आरोप लगाया कि यह कांग्रेस के डीएनए में मौजूद दलित विरोधी, आदिवासी विरोधी और संविधान विरोधी मानसिकता को दर्शाता है।

बीजेपी प्रवक्ता ने कहा, आप (खरगे) बड़ी-बड़ी बातें करते हैं - आपने रामनाथ कोविंद जी को कोविड कहा आप मुरमा जी कहते हैं और फिर उन्हें (राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू) भू-माफिया कहते हैं, आरोप लगाते हैं कि वह संपत्ति, जंगल छीनने के लिए राष्ट्रपति बनी हैं।

दैनिक हिन्दकुश
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
hindkush.in
24x7 News portal
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण चतुर्थदशी

संपादकीय

यह सर्वविदित है कि भारत दुनियाँ की सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है...

वैश्विक स्तरपर यह सर्वविदित है कि भारत दुनियाँ की सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है,जो142.6 करोड़ से भी अधिक है व चीन से बहुत आगे निकल गया है, जिसमें युवाओं की संख्या सबसे अधिक है जो भारत की सबसे बड़ी ताकत है, जिनके बल पर आज हम तेजी से विकास कर रहे हैं। आज हम आज हम इस जनसंख्या विषय पर चर्चा करने की बात इस एंगल से कर रहे हैं क्योंकि 7 जुलाई 2025 शाम को सरकार से जानकारी आई कि भारत में 2027 में होने वाली जनगणना डिजिटल माध्यम से होगी,यानें घर बैठे हम खुद जनगणना का फॉर्म मोबाइल या किसी अन्य इंस्ट्रूमेंट पर भर सकते हैं, जिसके लिए सरकार एक पोर्टल लॉन्च करेगी। दूसरी बात शुक्रवार 11 जुलाई 2025 को विश्व जनसंख्या दिवस है, मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र,यह मानता हूं कि भारत में 16 वर्षों के बाद जो डिजिटल जनगणना हो रही है उसमें काफी कुछ बदल जाने की संभावना है,यानें यहजनगणना अनोखी होगी, जिसमें जाति सहित अनेको सवालों की बौछार की जाएगी, जैसे फ्रिज टीवी वाहन प्रॉपर्टी घर मकान रोजगार इत्यादि अनेकों सवाल पूछे जाएंगे,आधार कार्ड की संलग्नता भी होगी, यानें जो लोग अभी संपन्न होते हुए भी, पर्दे के पीछे सरकारी योजनाओं का फायदा लाभ उठा रहे हैं, तथा टैक्स से बाहर हैं, उनकी आर्थिक संपन्नता पर्दे के पीछे ही है,सामने में वे हर क्षेत्र में आरक्षण सुविधा स्कीम,सरकारी योजनाओं का लाभ,जाली जाति कार्ड पर चुनाव लड़ रहे हैं, इत्यादि अनेकों लाभ अपात्र होते हुए भी उठा रहे हैं, इस जनगणना से वो पर्दे के पीछे इंजॉय करने वाले भारी मात्रा में सामने आ जाएंगे व टेंक्स के दायरे में आ जाएंगे,व इन सभी सुविधाओं के लाभ को बंद करने की नौबत आने की संभावना है,क्योंकि वित्तीय स्लैब के ऊपर दर्ज होंगे,इसलिए टैक्स के दायरे में आ जाएंगे, दूसरी ओर उनको सरकारी सुविधाएं व लाभ समाप्त होने की संभावना बनी रहेगी।चूँकि विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई 2025 बनाम भारतीय डिजिटल जनगणना 2027, डिजिटल तकनीकी क्रांति के रूप में उभरेगी,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत में 1 मार्च 2027 से शुरू होने वाली जनगणना,कई माइनों से अनोखी होगी-वार्षिक आय, जाति,मकान सहित अनेक व्यक्तिगत जानकारीयों से बहुत कुछ बदल जाने की संभावना हैं।

साथियों बात अगर हम 7 जुलाई 2025 को सरकार द्वारा भारत के पहले डिजिटल जनगणना के ऐलान की करें तो,भारत में होने वाली अगली जनगणना को लेकर सरकार ने एक बड़ा ऐलान किया है। यह देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी,जिसमें आम लोग खुद भी अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। इसके लिए सरकार एक खास वेब पोर्टल लॉन्च करने जा रही है। इसके अलावा, मोबाइल ऐप के जरिए भी जनगणना का काम पूरा किया जाएगा। सरकार ने कहा है कि नागरिक चाहें तो खुद ही अपनी जनगणना की जानकारी वेब पोर्टल पर दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए दो चरणों में जनगणना होगी। पहला चरण हाउस लिस्टिंग एंड हाउसिंग सेंसस यानी घर और मकान की जानकारी, और दूसरा चरण पॉपुलेशन एनुमरेशन यानी जनसंख्या की गिनती। दोनों चरणों में लोग खुद अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे।कब होगी अगली जनगणना?जनगणना 2026 और 2027 में दो चरणों में होगी। पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगा, जिसमें मकानों की गिनती की जाएगी। दूसरा चरण 1 फरवरी 2027 से शुरू होगा, जिसमें लोगों की जनसंख्या, जाति और बाकी जरूरी जानकारियां जुटाई जाएंगी। इसके लिए 16 जून 2024 को सरकारी अधिसूचना जारी की गई है।

चन्द्र शेखर सिंह

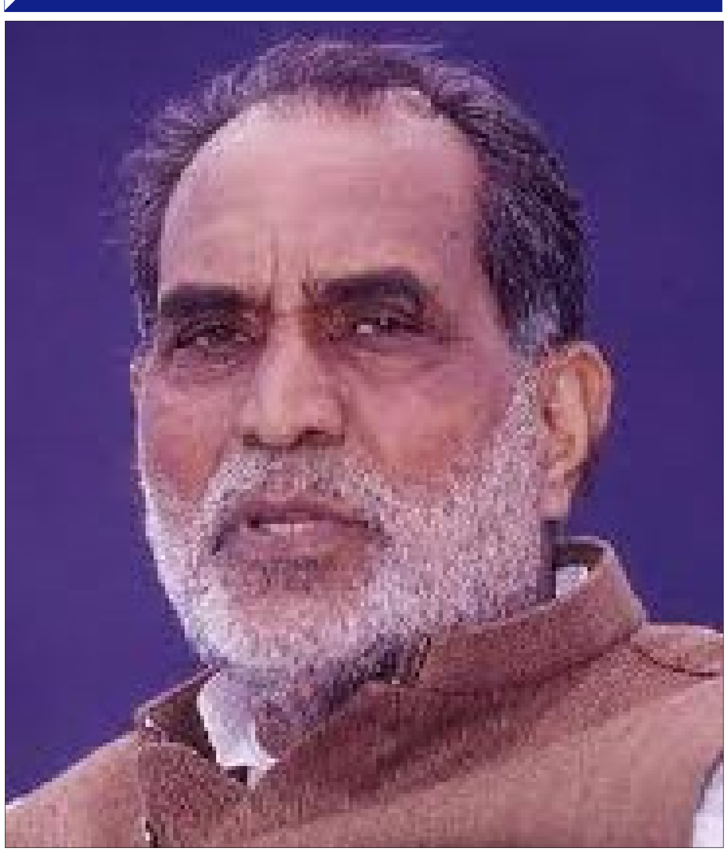

चन्द्र शेखर सिंह भारत के आठवें प्रधानमंत्री थे। उन्हें युवा तुर्क का सम्बोधन उनकी निष्पक्षता के कारण प्राप्त हुआ था। वह मेधा प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। ऐसे बहुत ही कम लोग होते हैं, जिन्हें विधाता कई योग्यता देकर पृथ्वी पर भेजता है और चंद्रशेखर का शुमार उन्हीं व्यक्तियों में करना चाहिए। विश्वनाथ प्रताप सिंह के बाद चंद्रशेखर ने ही प्रधानमंत्री का पदभार सम्भाला। वह आचार्य नरेंद्र देव के काफ़ी समीप माने जाते थे। उनके व्यक्तित्व एवं चरित्र से इन्होंने बहुत कुछ आत्मसात किया था। एक सांसद के रूप में चंद्रशेखर का वक्तव्य पक्ष और विपक्ष दोनों बेहद ध्यान से सुनते थे। इनके लिए प्रचलित था कि यह राजनीति के लिए नहीं बल्कि देश की उन्नति की राजनीति हेतु कार्य करने में विश्वास रखते हैं। चंद्रशेखर आत्मा की आवाज़ पर प्रशंसा और आलोचना करते थे। तब यह नहीं देखते थे कि वह ऐसा पक्ष के प्रति कर रहे हैं अथवा विपक्ष के प्रति। लेकिन देश को इस सुयोग्य व्यक्ति से अधिकाधिक उम्मीदें थीं, जो निश्चय ही राजनीतिक व्यवस्था के कारण प्राप्त नहीं की जा सकीं।

जन्म एवं परिवार - चंद्रशेखर का जन्म 1 जुलाई, 1927 को उत्तर प्रदेश के बलिया ज़िले के ग्राम इब्राहीमपुर में हुआ था। इनका कृषक परिवार था। चंद्रशेखर का राजनीति के प्रति रुझान विद्यार्थी जीवन में ही हो गया था। इन्हें आग उग़लते क्रान्तिकारी विचारों के कारण जाना जाता था। चंद्रशेखर ने 1950-1951 में राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि इलाहाबाद विश्वविद्यालय से प्राप्त की। इनका विवाह दूजा देवी के साथ सम्पन्न हुआ था। इनके दो पुत्र पंकज और नीरज हैं।

राजनीतिक जीवन- स्नातकोत्तर करने के बाद चंद्रशेखर समाजवादी आन्दोलन से जुड़ गए। वह पहले बलिया के ज़िला प्रजा समाजवादी दल के सचिव बने और एक वर्ष के बाद राज्य स्तर पर इसके संयुक्त सचिव बन गए। वह 1962 में राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य पर तब आए जब उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के लिए चयनित हुए। इस समय तक चंद्रशेखर ने वंचितों और दलितों के कल्याण की पैरवी करते हुए उत्तर प्रदेश सहित कई प्रान्तों में अपनी प्रभावी पहचान बना ली थी। इस समय उनकी उम्र मात्र 35 वर्ष थी। चंद्रशेखर की एक विशेषता यह थी कि वह गम्भीर मुद्दों पर सिंह के समान गर्जना करते हुए बोलते थे। उनकी वाणी में इतनी शक्ति थी कि जब संसद मछ्ली बाज़ार बन रहा होता था तो वहाँ पर सन्नाटा पसर जाता था। चंद्रशेखर को मुद्दों की राजनीति के लिए जाना जाता है। यही कारण है कि विपक्षी नेताओं के साथ उनके मधुर सम्बन्ध रहे। विपक्ष के नेता गतिरोध की स्थिति में उनसे परामर्श और मार्गदर्शन प्राप्त करते थे।

सम्पादन-प्रकाशन- चंद्रशेखर अपने विचारों की अभिव्यक्ति लेखन द्वारा बहुत सशक्त तरीक़े से करते थे। पत्रकारिता का शौक़ पूर्ण करने के लिए उन्होंने यंग इंडिया% नामक साप्ताहिक समाचार पत्र का सम्पादन-प्रकाशन किया। इसका सम्पादकीय स्वयं चंद्रशेखर के द्वारा लिखा जाता था, जो सारगर्भित और मर्मस्पर्शी होता था। वह समस्याओं को उठाते थे तथा उनकी समीक्षा बेबाक़ी के साथ करते थे। वह समस्या के समाधान भी सुझाते थे। ऐसा करते हुए चन्द्रशेखर एक नेता से ज़्यादा चिंतक नज़र आते थे। यही कारण है कि इनके सम्पादकीय बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों में बेहद लोकप्रिय हुए। चंद्रशेखर के लेखन में इनका गहन चिंतन परिलक्षित होता था। उनका विश्लेषणात्मक लेखन पाठकों में गहराई तक उतर जाता था।

मेरी जेल डायरी- जून 1975 में आपातकाल की घोषणा के बाद जिन नेताओं को इंदिरा गांधी ने जेल भेजा, उनमें चंद्रशेखर भी थे। लिखित वैचारिक अभिव्यक्ति पर पहरा लग चुका था, इस कारण यंग इंडिया का प्रकाशन बंद हो गया। लेकिन लेखक हृदय के मालिक चंद्रशेखर का जेल में रहते हुए भी लेखन कर्म से नहीं रोका जा सका। जेल प्रवास के दौरान चंद्रशेखर ने अपना लेखन जारी रखा और बाद में मेरी जेल डायरी के नाम से उनकी पुस्तक प्रकाशित होकर पाठकों के समक्ष आई। इसमें उनके जेल के अनुभवों का लेखा-जोखा है। इन्होंने लिखा है कि राजनीतिक बंदी होते हुए भी उस समय सभी को आवश्यक सुविधाओं से वंचित रखा गया था।

यात्राएँ- इसके अतिरिक्त डायनेमिक्स ऑफ़ चेंज नामक चंद्रशेखर का एक संग्रह भी प्रकाशित हुआ। इस संग्रह में उन्होंने देश की विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं और यंग इंडिया में जो कुछ लिखा था, उसे संग्रहीत किया था। चंद्रशेखर भाषा विद्वान् भी कहे जाते हैं। हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं पर इनकी प्रभावी पकड़ थी। उन्होंने दोनों भाषाओं में लिखा। यदि यह कहा जाए कि उनमें भी प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का व्यक्तित्व सांसें ले रहा था, तो कोई ग़लत नहीं होगा। लेखन के मामले में दोनों काफ़ी समृद्ध थे। चंद्रशेखर ने भारत के अनेक राज्यों की यात्राएँ भी कीं और भारत की आत्मा को समझने का प्रयास किया। इससे उन्हें व्यापक जनसम्पर्क का अवसर प्राप्त हुआ। इन्होंने अपनी यात्राओं के द्वारा सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं को शिक्षा कार्यक्रमों तथा पिछड़ों के उत्थान हेतु जागरूक किया। चंद्रशेखर की एक विशेषता यह भी थी कि वह प्रत्येक कार्य को पूर्ण समर्पण भाव से करते थे। यदि वह किसी विषय विशेष पर लिखते थे तो उसकी तैयारी पहले से करते थे। वह विषय का बारीकी से अध्ययन करते थे और लिखते समय आदि से अन्त तक अपनी पकड़ बनाए रखते थे। उनके लेखों में किसी भी स्थान पर ऐसा नहीं लगता था कि वह भटक गए हैं।

प्रधानमंत्री के पद पर- विश्वनाथ प्रताप सिंह द्वारा प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद चंद्रशेखर ही काँग्रेस इं के समर्थन से सत्तारूढ़ हुए। इन्हें 10 नवम्बर, 1990 को राष्ट्रपति रामास्वामी वेंकटरामण ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री बनने के बाद चंद्रशेखर ने बेहद संयमित रूप से अपने दायित्वों का निर्वाह किया। वह जानते थे कि काँग्रेस इं के समर्थन से ही इनकी सरकार टिकी हुई है। यह भी सच है कि विश्वनाथ प्रताप सिंह जिस प्रकार के प्रधानमंत्री साबित हो रहे थे, उसे देखते हुए उन्होंने कांग्रेस की बात पर विश्वास किया कि वह उसके समर्थन से सरकार बना सकते हैं। लेकिन चंद्रशेखर कभी इस भुलावे में नहीं थे कि राजीव गांधी लम्बे समय तक उन्हें प्रधानमंत्री बने रहने देंगे। देश को मध्यावधि चुनाव से बचाने के लिए भी वह प्रधानमंत्री बने थे। विदेशी मुद्रा संकट होने पर चंद्रशेखर ने स्वर्ण के रिजर्व भण्डारों से यह समस्या सुलझाई। कुछ ही समय में स्वर्ण के रिजर्व भण्डार भर गए और विदेशी मुद्रा का संतुलन भी बेहतर हो गया।

कांग्रेस का बहाना- काँग्रेस इं यह जानती थी कि जनता का जनता पार्टी से मोहभंग हो चुका है। लेकिन चंद्रशेखर अच्छा काम कर रहे थे। समर्थन वापस लेने के लिए उपयुक्त बहाना भी होना चाहिए। तब यह बहाना बनाया गया कि चंद्रशेखर सरकार के द्वारा राजीव गांधी की गुप्तचरी की जा रही है। इस आरोप के अगले ही दिन 5 मार्च, 1991 को कांग्रेस ने समर्थन वापस ले लिया। ऐसे में चंद्रशेखर ने संसद भंग करके नए चुनाव सम्पन्न कराने की अनुशंसा राष्ट्रपति को प्रेषित कर दी। वह लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुसार ही कार्य करना चाहते थे। इस प्रकार चंद्रशेखर लगभग 4 माह प्रधानमंत्री के पद पर आसीन हुए। इन सभी स्थितियों के मद्देनज़र राष्ट्रपति रामास्वामी वेंकटरामण ने चंद्रशेखर से नया प्रधानमंत्री चुने जाने तक अपने पद पर कार्य करने को कहा। इस प्रकार उन्होंने 21 जून, 1991 तक प्रधानमंत्री का कार्यभार देखा। इस दौरान वह किसी भी विवाद में नहीं आए और निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्यों को अंजाम दिया। इनके कार्यवाहक प्रधानमंत्रित्व काल में निष्पक्ष चुनाव भी हुए। चुंकि राजीव गांधी चुनाव के माध्यम से प्रधानमंत्री का पद पुन~ पाना चाहते थे, अत~ उन्होंने चंद्रशेखर सरकार को दिया गया समर्थन वापस ले लिया था। लेकिन भाग्य का खेल तब कौन जानता था? राजीव गांधी तमिलनाडु में एक चुनावी रैली को सम्बोधित करते हुए मानव बम विस्फोट का शिकार हुए और दर्दनाक उनकी मौत हो गई।

निधन- चंद्रशेखर को प्लाज्मा कैंसर था। उन्हें 3 मई, 2007 को नई दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ पर 8 जुलाई, 2007 को इनका निधन हो गया। लेकिन चंद्रशेखर एक कर्मठ एवं ईमानदार राजनीतिज्ञ के रूप में भारतवासियों द्वारा सदैव याद किए जाते रहेंगे।

चीन को पछाड़ भारत बनेगा इलेक्ट्रॉनिक्स का हब

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का हब कहे जाने वाले चीन से बड़ी-बड़ी कंपनियां बोरिया बिस्तर बांध रही है। भारत को इसके विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। देश में इलेक्ट्रॉनिक्स को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार Electronics Components Manufacturing Scheme (ECMS) चला रही है। बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार इस स्कीम के तहत भारत सरकार को 8,000 करोड़ रुपये का प्रपोजल मिला है। बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत में निवेश करना चाहती है।

इस योजना का लक्ष्य घरेलू और वैश्विक निवेश को आकर्षित करके एक मजबूत इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम का निर्माण करना है ताकि भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई चैन में आत्मनिर्भर बनाया जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इलेक्ट्रॉनिक्स आपूर्ति श्रृंखला में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 22,919 करोड़ रुपये के निवेश के साथ ECMS योजना को मंजूरी दी थी।

भारत सरकार को मिले 8 हजार करोड़ रुपये के प्रपोजल- मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स और इनफर्मेशन टेक्नोलॉजी ने श्वष्टस्र् के तहत आवेदन मांगे थे। मंत्रालय को विदेशी और भारतीय कंपनियों ने 100 से अधिक प्रस्ताव भेजे। ये प्रस्ताव 7500 करोड़ रुपये से लेकर 8000 करोड़ रुपये तक के हैं। इन प्रस्तावों के तहत कंपनियां भारत में इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट को बनाने के साथ उसे असेंबल भी करना चाहती हैं।

भारत सरकार अगस्त के अंत या फिर सितंबर के शुरुआत से Electronics Components Manufacturing Scheme के तहत आने वाले प्रपोजल को स्वीकृत देना शुरू कर देगी।

Electronics Components Manufacturing योजना में लिथियम-आयन सेल, प्रिंटेड सर्किट बोर्ड, डिस्प्ले और कैमरा मॉड्यूल और नॉन-सरफेस माउंट डिवाइस जैसे प्रमुख कंपोनेंट्स का निर्माण करना शामिल है। इसमें मोबाइल फोन, टैबलेट और बैटरी पैक में इस्तेमाल होने वाले कैपेसिटर, रेसिस्टर्स, इंडक्टर और पोटेंशियोमीटर जैसे बेयर कंपोनेंट भी शामिल हैं।

300 से 3 रुपये पर आया इस शेयर का भाव, दिवालिया हुई ये नामी कंपनी

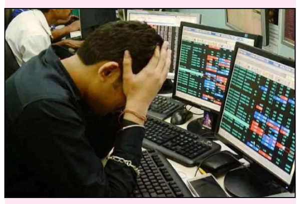

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवालिया हो चुके बिजनेस ग्रुप जयप्रकाश एसोसिएट्स के शेयरों में अब ट्रेडिंग अस्थाई रूप से रोक दी गई है। कंपनी के शेयर 7 जुलाई को आखिरी बार ट्रेड हुए और 3.19 रुपये के स्तर पर बंद हुए। खास बात है कि आखिरी ट्रेडिंग डे पर जयप्रकाश एसोसिएट्स के शेयरों ने करीब 5 फीसदी की तेजी दिखाई। एनएसई की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस कंपनी के शेयरों में ट्रेडिंग को अस्थाई रूप से सस्पेंड कर दिया गया है।

कर्ज में डूबी कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स का मार्केट कैप 783 करोड़ रुपये है। 14 जून 2004 में इस कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हुई थी। उस समय कंपनी के स्टॉक का प्राइस 12 रुपये के आसपास था और साल 2008 में इसने 296 रुपये का स्तर छू लिया था।

कंपनी खरीदने की तैयारी में अदाणी ग्रुप- हाल ही में खबर आई थी कि इस दिवालिया कंपनी को अदाणी समूह खरीदने जा रहा है और इसके लिए सबसे बड़ी बोली के तौर पर 12500 करोड़ देने की इच्छा जता चुका है। इस खबर के सामने आने के बाद जयप्रकाश एसोसिएट्स के शेयरों में तेजी देखने को मिली थी।हालांकि, पिछले कुछ समय से जयप्रकाश एसोसिएट्स के शेयरों में लगातार मंदी देखने को मिल रही थी।

IPO के बाद 3 साल से नुकसान करा रहा ये शेयर, अब तेजी के लिए तैयार Delhivery, ब्रोकरेज का टारगेट प्राइस

नई दिल्ली (एजेंसी)। 3 साल से निवेशकों को नेगेटिव रिटर्न वाले एक शेयर पर देश के दिग्गज ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवास फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने खरीदारी की सलाह दी है। दरअसल, देल्हीवरी के शेयरों में पिछले कुछ दिनों से लगातार तेजी देखने को मिल रही है। ब्रोकरेज हाउस का मानना है कि टेक्निकल चार्ट पर इस शेयर ने ब्रेकआउट दिया है।

डेल्हीवरी के शेयर 24 मई 2022 को मार्केट में लिस्ट हुए थे, और उस वक्त लिस्टिंग प्राइस ?495.20 रुपये था और अब यह स्टॉक 404 रुपये के लेवल पर ट्रेड कर रहा है। मोतीलाल ओसवाल ने एक खास टारगेट प्राइस के साथ इस शेयर में बाय कॉल दी है।

डेल्हीवरी शेयर पर ब्रोकरेज की राय- मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि टेक्निकल चार्ट पर डेल्हीवरी के शेयरों में स्ट्रॉन्ग बुलिश कैंडल के साथ पोल एंड फ्लैग पैटर्न बना है। ऐसे में इस शेयर में हल्की गिरावट आने पर खरीदी की जा सकती है।

ब्रोकरेज र्म मोतीलाल ओसवाल ने 396 रुपये के स्टॉपलॉस के साथ इस शेयर पर 420 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। फिलहाल, डेल्हीवरी के शेयर 407 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। खास बात है कि इस रिपोर्ट के आने के बाद डेल्हीवरी के स्टॉक ढाई फीसदी से ज्यादा की तेजी दिखा रहे हैं।

क्या है कंपनी का कारोबार- 30,165 करोड़ के मार्केट कैप वाली डेल्हीवरी, लॉजिस्टिक्स सर्विसेज मुहैया कराने वाली कंपनी है। यह कंपनी एक्सप्रेस पार्सल और भारी सामान की डिलीवरी, पीटीएल फ्रेट, टीएल फ्रेट, वेयरहाउसिंग, सप्लाई चेन समाधान, क्रॉस-बॉर्डर एक्सप्रेस औ फ्रेट सर्विसेज उपलब्ध कराती है।

इन PSU स्टॉक को बस एक बार खरीद लो, शेयर को बिना बेचे ही डिविडेंड से होती रहेगी कमाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या आपने कभी ऐसे स्टॉक्स में निवेश किया है जो आपको हर साल उसे बिना बेचे ही कमाई का मौका देता रहे। यदि नहीं, तो आप यहां बताए गए डिविडेंड यील्ड वाले स्टॉक्स में निवेश कर सकते हैं। मोतीलाल ओसवाल जुलाई 2025 की रिपोर्ट में कुछ ऐसी कंपनियों के बारे में बताया गया है जो केवल उनके प्राइस के बढ़ने से ही नहीं, बल्कि हर साल मोटे डिविडेंड से पैसा कमाने का मौका दे रहे हैं।

यहां हम आपको देश के सरकारी सेक्टर से जुड़े कंपनियों के उन स्टॉक के बारे में बता रहे हैं जिन्होंने डिविडेंड से निवेशकों को मालामाल किया है। इन स्टॉक में IOCL, कोल इंडिया , BPCL, ONGC जैसी दिग्गज कंपनियां शामिल हैं। ये न केवल अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए हैं, बल्कि निवेशकों के बैंक खातों में सीधे रिटर्न की बारिश कर रही हैं। अब बारी-बारी से इन पर नजर डालते हैं और जानते हैं की इनका पिछले 3 साल में कितना डिविडेंड यील्ड रहा और इन्होंने निवेशकों को कितना रिटर्न दिया है।

डिविडेंड यील्ड से क्या पता चलता है- डिविडेंड यील्ड यह बताता है कि किसी शेयर पर आपको हर साल कितना फीसदी डिविडेंड रिटर्न मिल रहा है। निवेशक जो स्थिर आय की तलाश में रहते हैं, उनके लिए डिविडेंड यील्ड एक अहम संकेतक बनता है। जहां कुछ कंपनियां ग्रोथ पर फोकस करती हैं, वहीं ये कंपनियां हर साल अच्छा कैश रिटर्न भी देती हैं।

डेडलाइन बढ़ाने के साथ ट्रंप ने दबाव बनाने के लिए 14 देशों को भेजी चिट्ठी, भारत के साथ डील की घोषणा कभी भी संभव

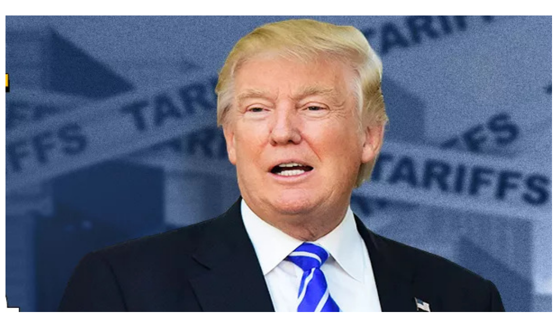

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ स्थगित करने की डेडलाइन 8 जुलाई से बढ़ाकर 31 जुलाई कर दी है। इन तीन हफ्तों में जो देश अमेरिका के साथ टैरिफ पर डील नहीं करेंगे, उनके निर्यात पर 1 अगस्त से Trump प्रशासन बढ़ी हुई दरें लगाएगा। डेडलाइन बढ़ाने के साथ ट्रंप डील के लिए दबाव भी डाल रहे हैं। इसका संकेत देते हुए उन्होंने सोमवार को 14 देशों को चिट्ठी भेजी और कहा कि अगर वे डील करने में नाकाम रहते हैं तो उन पर टैरिफ की नई दरें लागू होंगी। कुछ और देशों को इस हफ्ते चिट्ठी भेजे जाने की संभावना है।

अभी भारत के साथ ट्रंप प्रशासन की बात चल रही है और 14 देशों की सूची में भारत नहीं है। निर्यातकों के संगठन फियो (फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस - FIEO) के डायरेक्टर जनरल अजय सहाय ने कहा कि तारीख आगे बढ़ने से हमारे वार्ताकारों को बाकी बचे विवादित मुद्दों को सुलझाने में मदद मिलेगी। सहाय के अनुसार 14 देशों पर जो टैरिफ लगाए गए हैं, उससे भारत को द्विपक्षीय व्यापार समझौते में टैरिफ की तुलना करने में मदद मिलेगी। अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड एक्सपर्ट विश्वजीत धर के मुताबिक डेडलाइन आगे बढ़ना भारत के लिए राहत की बात है। अमेरिका का यह जवाब इसलिए है क्योंकि भारत ने कुछ मुद्दों पर अपना रुख सख्त बना रखा है।

मुंबई स्थित निर्यातक टेक्नोक्राफ्ट इंडस्ट्रीज के संस्थापक शरद कुमार सराफ ने कहा कि डेडलाइन आगे बढ़ने का समय बहुत कम है।

क्या भारत बंद के मौके पर शेयर बाजार खुलेगा

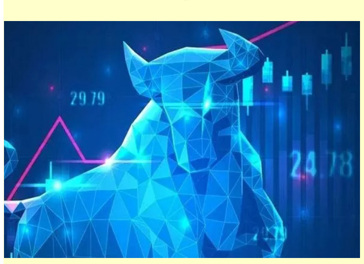

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंश्योरेंस, बैंकिंग, पोस्ट सर्विस, कोयला माइनिंग और हाइवे जैसे क्षेत्रों के 25 करोड़ से अधिक कर्मचारियों के बुधवार को देशव्यापी हड़ताल में भाग लेने की उम्मीद है। देश के 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आयोजित भारत बंद से पूरे भारत में कई सेवाओं बाधित होने की उम्मीद है। ट्रेड यूनियनों के अनुसार, विरोध प्रदर्शनों के कारण बैंकिंग, बीमा और ट्रांसपोर्ट जैसी सेवाएँ प्रभावित होने वाली हैं। इस बीच, स्कूल, कॉलेज और दुकानें सामान्य रूप से चलने की उम्मीद है।

विरोध प्रदर्शनों के दौरान बैंकिंग सेवाएँ प्रभावित हो सकती हैं, लेकिन स्टॉक एक्सचेंजों के सामान्य रूप से काम करने की उम्मीद है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बीएसई बिना किसी रुकावट के कारोबार जारी रखेंगे। इक्विटी डेरिवेटिव्स, सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बॉरोइंग (एसएलबी), करेंसी डेरिवेटिव्स और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (ईजीआर) में भी बुधवार को कारोबार होगा।

दोनों प्रमुख स्टॉक एक्सचेंजों ने 9 जुलाई को किसी भी निर्धारित अवकाश की घोषणा नहीं की है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

दैनिक हिन्दकुश

ऑनलाइन कुत्ता खरीदने में 1.70 लाख की ठगी

ग्वालियर। डिजिटल फ्रॉड अब केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं रहा। देशभर में बढ़ते साइबर ठगी के मामलों ने अब लोगों की जान लेनी शुरू कर दी है। मध्यप्रदेश में एक ही महीने में दो आत्महत्या की घटनाएं सामने आ चुकी हैं- पहली ग्वालियर में और दूसरी रीवा में। पीड़ित इस कदर मानसिक रूप से टूट जाते हैं कि वे आत्महत्या जैसे कठोर कदम उठा लेते हैं।

ऑनलाइन डॉग खरीद में 1.70 लाख की ठगी, जान गंवाई

ग्वालियर के हीरा नगर निवासी रीना प्रजापति ने 12 जून को जहर खाकर आत्महत्या कर ली। वह ऑनलाइन कुत्ता खरीदना चाहती थीं और एक लिंक के माध्यम से धोखाधड़ी का शिकार हो गईं। 15 दिन तक मानसिक तनाव में रहने के बाद, उन्होंने जान दे दी। ठगों ने उनसे 1.70 रुपये लाख ठग लिए थे।

रीवा में बुजुर्ग को चांदी के सिक्कों का लालच, खुद को मारी गोली

65 वर्षीय सरोज दुबे, रीवा के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के निवासी थे। उन्हें पुराने चांदी के सिक्कों के बदले करोड़ों रुपये दिलाने का झांसा देकर ठगों ने उनके खाते से 60,000 रुपये की ठगी कर ली। बार-बार प्रताड़ना झेलने के बाद उन्होंने 5 जुलाई को अपनी लाइसेंसी बंदूक से आत्महत्या कर ली।

देशभर में बढ़ रही हैं डिजिटल ब्लैकमेलिंग से आत्महत्याएं

कर्नाटक के बेलगावी में डियोगजेरोन संतन और उनकी पत्नी फ्लाविआना ने 50 लाख की ठगी के बाद सुसाइड कर लिया था।

कानपुर में एक छात्रा को ठगों ने धमकाकर उसके वीडियो वायरल किए, जिससे परेशान होकर उसने फांसी लगाई।

साइबर सेल का अलर्ट

डीएसपी संजीव नयन शर्मा, राज्य साइबर सेल के अनुसार, ÷ठगी से डरने की बजाय समय पर रिपोर्ट करना ज़रूरी है। पीड़ित 1930 पर कॉल करके अपनी रकम फ्रीज करा सकते हैं। हर जिले में साइबर सेल सक्रिय है। ज़रूरत पड़ने पर पीड़ितों की काउंसलिंग भी की जाती है।÷

ठगी से बचने के लिए क्या करें?

1. किसी अनजान लिंक या कॉल पर जानकारी शेयर न करें।

2. ऑनलाइन ट्रांजेक्शन करते वक्त ऋऔर ऐप की सत्यता जांचें।

3. धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत 1930 या नजदीकी थाने में संपर्क करें।

4. साइबर जागरूकता सेमिनारों में भाग लें और दूसरों को भी सतर्क करें।

MP के मिशन अस्पताल में फर्जी कार्डियोलॉजिस्ट से 7 मौतें, अब देशभर में कैथ लैब डॉक्टरों की जांच होगी

भोपाल। मध्य प्रदेश के दमोह जिले के मिशन अस्पताल में फर्जी कार्डियोलॉजिस्ट द्वारा की गई दिल की सर्जरी से 7 लोगों की मौत के बाद यह मामला अब राष्ट्रीय स्तर पर गंभीर रूप से लिया गया है। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने पूरे देश की कैथ लैब्स में कार्यरत डॉक्टरों की योग्यता की जांच के निर्देश दिए हैं।क्या है पूरा मामला?

दमोह के मिशन अस्पताल में डॉ. नरेंद्र यादव उर्फ एन. जान कैम ने लंदन का कार्डियोलॉजिस्ट बताकर कई मरीजों की हार्ट सर्जरी की। मार्च 2025 में हुए इस खुलासे में सात मरीजों की मौत हुई। मामला सामने आने के बाद ने संज्ञान लिया और राज्य से रिपोर्ट तलब की। जांच में अनियमितताएं, लापरवाही और प्रशासनिक चूक सामने आई।

ने दिए ये निर्देशदेशभर में सभी कैथ लैब्स के डॉक्टरों की योग्यता की जांच सभी राज्य सरकारों को आयुष्मान भारत योजना के दुरुपयोग की जांच करने को कहा सात मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की अनुशंसा डॉक्टर और अस्पताल प्रबंधन पर अलग-अलग स्रढ्ढक्र दर्ज करने का निर्देश गैर इरादतन हत्या, ठगी, जालसाजी, चिकित्सकीय लापरवाही जैसे मामलों में कानूनी कार्रवाई

पुलिस और ष्टरूद्ध द्वारा की गई लापरवाही पर विभागीय कार्रवाई

मिशन अस्पताल का लाइसेंस निलंबित करने और संपत्ति की जांच के निर्देश गंभीर सवाल जिनकी होगी जांच

क्या मरीजों को सर्जरी से पहले खतरे और विकल्पों की जानकारी दी गई थी? क्या अस्पताल ने बीमा कराया था, और क्या परिजनों को उसका लाभ मिला? भूमि, भवन निर्माण, और अस्पताल संचालन में नियमों का उल्लंघन हुआ या नहीं? व्हिसल ब्लोअर्स की सुरक्षा जो लोग इस आपराधिक कृत्य को सामने लाने में मददगार रहे, उन्हें व्हिसल ब्लोअर सुरक्षा कानून 2014 के तहत संरक्षण देने की भी सिफारिश की गई है।

रेलवे ने स्टैंड अलोन सीसीटीवी कैमरे लगाए ट्रैक से ट्रेन तक रहेगी नजर, सुरक्षित होगी यात्रा

जबलपुर। कटनी-सतना रेलमार्ग और उस पर दौड़ रही ट्रेनों पर अब तीसरी नजर रहेगी। इस रेलखंड पर ट्रेनों में पथराव की घटनाएं हो चुकी हैं। यात्रियों के सामान चोरी के मामले भी सामने आते रहे हैं।

इस पर अंकुश लगाने के लिए अब आधुनिक निगरानी तंत्र विकसित किया गया है। सतना से कटनी आउटर तक स्टैंड अलोन सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं।

लगातार वारदातों के कारण कटनी-सतना रेलखंड संवेदनशील

निरंतर घटनाओं से जबलपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाला कटनी-सतना रेलखंड संवेदनशील बन गया है। इसे देखते हुए पश्चिम मध्य रेल ने रेलमार्ग पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी का निर्णय किया है।

इससे ट्रैक के आसपास असामान्य गतिविधि एवं ट्रेन के आसपास असामाजिक तत्वों की गतिविधि की जानकारी तुरंत मिल जाएगी। पथराव और यात्रियों के सामान चोरी होने के मामलों में आरोपितों की पहचान में सहायता मिलेगी।

प्रभावी कार्रवाई से रेलमार्ग और ट्रेन की सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी। नई व्यवस्था का विस्तार अन्य रेलखंडों पर भी होगा।24 घंटे करेंगे काम जानिए स्टैंड अलोन सीसीटीवी कैमरों की खूबियां

रेलखंड में स्थापित किए गए सीसीटीवी कैमरे सौर ऊर्जा से संचालित होंगे। यह सीसीटीवी कैमरे चौबीस घंटे काम करेंगे। जीवंत दृश्य के साथ ही श्रव्य भी रिकार्ड करेंगे। इन सीसीटीवी कैमरों को पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय के नियंत्रण कक्ष से जोड़ा गया है। संबंधित क्षेत्र के रेल सुरक्षा बल पोस्ट तक भी इन सीसीटीवी कैमरों की लाइव रिकॉर्डिंग पहुंचेगी। पश्चिम मध्य रेल की इस पहल ने संवेदनशील खंड में निवारक निगरानी और खुफिया-आधारित पुलिसिंग को काफी मजबूत किया है।दोनों स्टेशन के यार्ड भी नजरज बच नहीं पाएंगे अपराधी

रेलवे के सीसीटीवी कैमरों की नजर में दोनों स्टेशन के यार्ड भी रहेंगे। स्टेशन में जगह नहीं होने पर कई ट्रेनें यार्ड में रुकती हैं। ट्रेन में चोरी, छीनाझपटी जैसी वारदात कर कई आरोपित ट्रेन के यार्ड में रुकने एवं धीरे होने पर उतरकर भाग जाते हैं। कई मामलों में आरोपी की पहचान तक नहीं हो पाती है।तीसरी नजर की सहायता से अब संदिग्धों की पहचान हो सकेगी। संदिग्ध गतिविधि के संदेह पर तुरंत कार्रवाई कर घटना को रोकना संभव होगा। नई डिजिटल ट्रैकिंग व्यवस्था से यात्रा और सुरक्षित होगी।

आकाशीय बिजली ने बरपाया कहर

भिंड। एमपी के भिंड जिले में शुक्रवार शाम बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने से दर्दनाक हादसा हो गया। मवेशी चराने के लिए गई महिला पर आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। वहीं पांच लोग झुलस गए हैं।

प्रदेश में भारी बारिश–नरसिंहपुर में कलेक्टर ने आज और कल स्कूलों में छुट्टी घोषित की

जबलपुर। महाकौशल-विंध्य के सिवनी और बालाघाट में तेज बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। सिवनी में वैनगंगा नदी का जल स्तर बढ़ने से लखनवाड़ा का पुराना पुल सहित आसपास सड़क, घाट सब कुछ जलमग्न हो गया। दोपहर में बारिश का दौर थमने के बाद वैनगंगा नदी का जलस्तर कुछ घटने लगा।

बालाघाट में भी जोरदार बारिश से घरों में पानी घुस गया। मंडला का नर्मदा तट पर स्थित माहिष्मती घाट और रामनगर का घाट डूब गया। शाम को भी करीब डेढ़ घंटे तेज बारिश हुई है। डिंडौरी में बारिश से मेहंदवानी का धमनी-कुसेरा सड़क टूट गई।शहडोल में दोपहर करीब 3.30 बजे तेज बारिश हुई। जबलपुर अन्य जिलों में भी बारिश हुई है। 50 प्रतिशत से अधिक भरा भीमगढ़ बांध सिवनी में संजय सरोवर भीमगढ़ बांध लगातार बारिश से 50 प्रतिशत से अधिक भर चुका है। इसका जलस्तर 514 मीटर तक पहुंच गया है।

भारी बारिश को देखते हुए स्कूलों की छुट्टी घोषित

नरसिंहपुर से खबर है कि कलेक्टर ने भारी बारिश के कारण विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए दिनांक 8 एवं 9 जुलाई 2025 को सभी शासकीय , अशासकीय , अनुदान प्राप्त, सीबीएसई, केंद्रीय विद्यालय ,नवोदय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए अवकाश (स्ध्रद्धश्शद्ध ॥श्द्यद्धस्त्रड्ढ4) घोषित किया जाता है। शिक्षक एवं कर्मचारी गण विद्यालय में उपस्थित रहेंगे।बांध के गेट खोलने पर विचार हो रहा है। कुरई क्षेत्र में बहने वाली नेवरी नदी के अलावा कई नदिया-नाले उफान पर हैं। कई गांवों का संपर्क विकासखंड मुख्यालय से टूट गया है। निचली बस्तियों व कालोनियों में जल भराव के कारण लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। तट क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति जिला मुख्यालय से पांच किमी दूर छिंदवाड़ा मार्ग में लखनवाड़ा पर बना पुराना पुल ऊपर नदी की बाढ़ डूब गया।सुरक्षा की दृष्टि से पुल के दोनों ओर बेरीकेड्स लगाकर पुलिस बल की तैनात की गई है। वैनगंगा नदी के तट पर बसे पुसेरा, बंडोल, छपारा, सुनवारा, मझगवां, केवलारी, उगली क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति देखने को मिली।

मध्यप्रदेश की गतिशीलता-शांति और संसाधनों का लाभ उठाएँ निवेशक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को लुधियाना स्थित वर्धमान औद्योगिक परिसर में पंजाब के प्रमुख उद्योगपतियों से भेंट की और उन्हें मध्यप्रदेश की समावेशी, उदार और निवेश-अनुकूल नीतियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार न केवल उद्योग लगाने और निवेश बढ़ाने के लिए तैयार है, बल्कि यदि किसी सेक्टर में संभावना दिखती है, तो वहां आवश्यकतानुसार नियमों में परिवर्तन भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में गारमेंट और टेक्सटाइल सेक्टर के लिए विशेष अवसर उपलब्ध हैं और राज्य सरकार इस दिशा में गंभीर प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि इंदौर की हुकुमचंद मिल को पुनर्जीवित करने की दिशा में कार्य हो रहा है और मजदूरों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सौ करोड़ रु. से अधिक के सेटलमेंट क्लियर किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों और श्रमिकों के साथ सरकार की प्रतिबद्धता हर स्तर पर बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि ग्वालियर की जेसी मिल और उज्जैन की हीरा मिल के मामले में भी राज्य सरकार ने सहृदयता से निर्णय किये है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार उद्योगपतियों के हित में निर्णय लेने के लिए कैबिनेट स्तर पर नीतियों में बदलाव को भी तैयार है। उन्होंने निवेशकों से आग्रह किया कि वे मध्यप्रदेश में आकर संभावनाओं को देखें और राज्य की गतिशीलता, शांति और संसाधनों का लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि राज्य में टेक्सटॉइल, एग्री बेस्ड इंडस्ट्री, इंजीनियरिंग गुड्स, स्टील प्रोसेसिंग, रिन्यूएबल एनर्जी और आईटी जैसे सेक्टरों में व्यापक अवसर उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों से यह भी कहा कि मध्यप्रदेश केवल निवेश के लिए नहीं, बल्कि एक जनकल्याणकारी राज्य के रूप में भी तेजी से पहचान बना रहा है। उन्होंने बताया कि गरीब तबके के लिए एयर एंबुलेंस सेवा और राहगीर सेवा योजना जैसी अभिनव योजना क्रियान्वित की जा रही हैं। इन योजनाओं की उद्योगपतियों ने सराहना करते हुए कहा कि इस स्तर की सोच और संवेदनशीलता शायद ही किसी अन्य राज्य में दिखती हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से वर्धमान ग्रुप के एमडी श्री नीरज जैन, राल्सन इंडिया लिमिटेड के चेयरमेन श्री संजीव पहवा, कंगारू इंडस्ट्रीज के एमडी श्री अंबरीश जैन, टीके स्टील रोलिंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के एमडी श्री लोकेश जैन, रजनीश इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री राहुल आहूजा, फार्मपार्ट्स कंपनी के उपाध्यक्ष श्री जे.एस. भोगल, सीआईसीयू के अध्यक्ष श्री उपकार सिंह आहूजा, कमल (सरजवन होजरी) के प्रतिनिधि श्री सुदर्शन जैन और श्री अरुण जैन सहित विभिन्न सेक्टर के उद्योगपतियों ने मुलाकात की।

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह भी बताया कि मध्यप्रदेश में बिजली दरें प्रतिस्पर्धी हैं और नियम संबंधी प्रक्रियाओं को सरल और निवेशक-अनुकूल बनाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश में सोलर और पॉवर सेक्टर में भी बड़े प्रोजेक्ट आ रहे हैं। केंद्र सरकार के स्तर पर कोई पर्यावरणीय क्लियरेंस लंबित है, तो मध्यप्रदेश सरकार अपने स्तर पर उसे शीघ्र दिलाने का भी प्रयास करेगी।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान इन्दौर में एक दिवसीय रोजगार मेले का हुआ आयोजन

इंदौर। मध्यप्रदेश शासन और जिला प्रशासन के निर्देशानुसार बेरोजगार युवक-युवतियों को एक छत के नीचे रोजगार और स्वरोजगार देने के उद्देश्य से जिला रोजगार कार्यालय, आई टी आई और जिला उद्योग केंद्र इंदौर के सामूहिक प्रयास से आज औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान इन्दौर में एक दिवसीय रोजगार मेले (युवा संगम) का आयोजन किया गया। युवा संगम कार्यक्रम में कुल 18 कंपनियों के 550 विभिन्न रिक्त पदों की पूर्ति हेतु इनके प्रतिनिधियों द्वारा साक्षात्कार लेकर रोजगार और अप्रेंटिनशिप हेतु प्रारम्भिक रूप से चयन किया गया। इस युवा संगम कार्यक्रम में कुल 514 आवेदक/आवेदिकाओं (128 आवेदिका एवं 386 आवेदक) ने अपना पंजीयन कराया।

उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि युवा संगम कार्यक्रम में 18 कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा कुल 294 (84 युवतियों और 210 युवकों) का प्रारंभिक रूप से एचआर, सेल्स एक्जीक्यूटिव, डिजिटल मार्केटिंग, टेलीकॉलर, बेक ऑफिस, पैकर, ट्रेनी, वाहन चालक, लेखपाल, फीटर, वेल्डर, इलेक्ट्रिशियन, कोपा. टर्नर, आपरेटर आदि पदों के लिए चयन किया गया।

जिला उद्योग केंद्र के अधिकारियों द्वारा स्वरोजगार के इच्छुक 54 आवेदकों को शासन द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी एवं मार्गदर्शन दिया जाकर स्वरोजगार हेतु प्रकरण तैयार करने हेतु प्रेरित किया गया।

महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए तिथि में की गई वृद्धि

इंदौर। उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2025-26 में, महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए तिथि में वृद्धि की है। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्नातकोत्तर स्तर सत्र 2025-26 में ऑनलाइन प्रवेश अंतर्गत सीएलसी चरण के लिए अद्यतन समय सारणी जारी की गई है।

जारी समय सारणी के अनुसार, सत्र 2025-26 में स्नातकोत्तर कक्षाओं में मेजर माइनर विषयों में एवं मेजर एवं माइनर विषय के अतिरिक्त अन्य विषय में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी, 7 से 10 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीयन/आवेदन कर सकेंगे। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 7 से 11 जुलाई तक होगा। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को साक्षात्कार के दिनांक, स्थान एवं समय की सूचना 14 जुलाई को दी जाएगी। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के साक्षात्कार एवं पोर्टल पर अंकों की प्रविष्टि 16 से 17 जुलाई तक होगी।

विद्यार्थियों को महाविद्यालयों में सीट का आवंटन 21 जुलाई को होगा। आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क का भुगतान 21 से 25 जुलाई तक किया जा सकेगा।

सांदीपनि विद्यालयों में यूनिसेफ के सहयोग से चलेगा कॅरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम

इंदौर। प्रदेश के सांदीपनि विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों का करियर मार्गदर्शन यूनिसेफ के सहयोग से दिया जायेगा। कॅरियर रिफ्रेशर प्रशिक्षण के द्वारा प्रत्येक विद्यालय के एक नोडल शिक्षक को संसाधनों को उपयोग करने के लिये सक्षम बनाया जा रहा है। नोडल शिक्षक के माध्यम से ही विद्यालय में कॅरियर मार्गदर्शन प्रदान करने वाली गतिविधियां संचालित की जायेंगी। कॅरियर मार्गदर्शन के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के आयुक्त लोक शिक्षण कार्यालय ने प्रदेश के समस्त सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्यों को पत्र लिखकर दिशा-निर्देश जारी किये हैं।

विद्यालय स्तर पर गतिविधियों का संचालन-नोडल शिक्षक एवं कक्षा शिक्षक की सहायता से सभी विद्यार्थियों से कॅरियर इनफॉर्मेशन डायरी और कॅरियर फोल्डर तैयार कराया जायेगा, जिसमें हर माह की कॅरियर संबंधी जानकारी संधारित कराई जायेगी। कॅरियर गतिविधियों का संचालन राज्य स्तर से जारी कॅरियर कैलेंडर के अनुसार विद्यालयों में नियमित रूप से संचालित कराया जायेगा। निर्देश में यह भी कहा गया है कि विद्यालय समय सारणी में विद्यार्थियों के कॅरियर मार्गदर्शन के लिये कम से कम 2 पीरियड प्रति माह आवंटित किये जायें। विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार कॅरियर नोडल शिक्षक एवं सहयोगी शिक्षकों के माध्यम से कॅरियर मार्गदर्शन सत्रों की योजना बनाकर सुव्यवस्थित संचालन करवाया जाये। कॅरियर गाइडेंस में प्रशिक्षित नोडल शिक्षक के माध्यम से विद्यालय के कक्षा 9 से 12 तक अध्यापन कराने वाले अन्य 2 शिक्षकों को भी शाला स्तर पर प्रशिक्षित करके उनका सहयोग लिया जाये।

विद्यालय में प्रार्थना सभा में कॅरियर गाइडेंस के तहत किसी एक डोमेन से संबंधित एक या दो कॅरियर कार्ड की संक्षिप्त जानकारी सप्ताह में किन्हीं 3 दिनों में साझा की जा सकती है।

शहर के बिहारी समुदाय ने बिहार चुनाव से पहले दरभंगा के लिए सीधी ट्रेन की मांग दोहराई

इंदौर। नवंबर 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, पूर्वोत्तर संस्कृतिक संस्थान, मध्य प्रदेश ने , मध्य प्रदेश की वाणिज्यिक राजधानी, इंदौर तथा बिहार की सांस्कृतिक राजधानी एवं मिथिला की हृदयस्थली दरभंगा के बीच सीधी सुपरफास्ट ट्रेन की अपनी दशकों पुरानी मांग को फिर से उठाया है। संस्थान के महासचिव के.के. झा और अध्यक्ष ठाकुर जगदीश सिंह के नेतृत्व में, संस्थान ने केंद्रीय रेल मंत्री श्विनी वैष्णव को एक बार पुनः ज्ञापन के माध्यम से इंदौर एवं दरभंगा के बीच नई ट्रैन शुरू कर, इंदौर में बसे लाखों उत्तर बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रवासियों की यात्रा समस्याओं को तत्काल हल करने का आग्रह किया है। ठाकुर जगदीश सिंह ने कहा दो दशकों से अधिक समय से हमारी मांग है कि दरभंगा के लिए सीधी रेल सेवा शुरू हो। हफ्ते में तीन दिन चलने वाली इंदौर-पटना एक्सप्रेस भीड़ से जूझती है, खासकर छठ और दीवाली जैसे त्योहारों के दौरान, जिससे यात्री परेशान रहते हैं। शहर में रहने वाले बिहारी एवं मैथिल समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ सामुदायिक नेता के के झा ने इस ट्रेन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि क्कयह ट्रेन मालवा और मिथिला के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक सेतु का काम करेगी। चुनाव से पहले इस ट्रेन को शुरू करना सरकार की प्रवासियों और बिहार के विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाएगा।

इंदौर में बूथ लेवल अधिकारियों का प्रशिक्षण प्रारंभ

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार निर्वाचक नामावली को त्रुटिरहित बनाने, बूथ लेवल अधिकारियों के क्षमता विकास आदि के लिए आज से इंदौर में बूथ लेवल अधिकारियों का प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। जिले के सभी 9 विधानसभा क्षेत्रों के 2625 बूथ लेवल अधिकारियों को 16 जुलाई तक चरणबद्ध रूप से प्रशिक्षण दिया जायेगा। यह राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम होलकर विज्ञान महाविद्यालय इन्दौर के एकेडमिक ब्लॉक ए कक्ष क्रमांक 101 से 108 में आयोजित किया जा रहा है।

यह प्रशिक्षण प्रशिक्षित राज्य स्तरीय, जिला स्तरीय एवं विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रदाय किया जा रहा है, जिसमें प्रति बैच 50 से अधिक बूथ लेवल अधिकारी शामिल हो रहे हैं। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रशिक्षण उपरांत प्रशिक्षणार्थियों का ई-मूल्यांकन किया जायेगा। प्रशिक्षण के बाद सभी अधिकारियों को परीक्षा देना होगी, अनुर्तीण अधिकारियों को पुनः प्रशिक्षण दिया जायेगा। बताया गया कि आज इंदौर जिले के देपालपुर विधानसभा क्षेत्र के 288 बूथ लेवल अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इसी तरह 8 जुलाई को विधानसभा क्षेत्र इंदौर-4 के 219, 9 जुलाई को विधानसभा क्षेत्र इंदौर-2 के 315, 10 जुलाई को विधानसभा क्षेत्र डॉ. अम्बेडकर नगर महू के 281, 11 जुलाई को विधानसभा क्षेत्र राऊ के 326, 12 जुलाई को विधानसभा क्षेत्र सांवेर के 315, 14 जुलाई को विधानसभा क्षेत्र इंदौर-3 के 194 तथा 15 जुलाई को विधानसभा क्षेत्र इंदौर-1 के 325 बूथ लेवल अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा।

प्रतियोगी और अन्य परीक्षाओं की तैयारियों के लिए भवरकुआं क्षेत्र में बनेगी सर्वसुविधा युक्त बहुमंजिला स्टडी सेंटर/लाईब्रेरी

इंदौर। इंदौर में प्रतियोगी और अन्य परीक्षाओं की तैयारियों के लिए विद्यार्थियों की सुविधा की दृष्टिगत भंवरकुआं क्षेत्र में सर्वसुविधा युक्त बहुमंजिला स्टडी सेंटर/लाईब्रेरी बनाई जायेगी। इस स्टडी/लाईब्रेरी सेंटर के प्लान को तैयार करने के लिए स्मार्ट सिटी के माध्यम से आर्किटेक्ट की प्रतियोगिता करायी जायेगी। सर्वश्रेष्ठ प्लान तैयार करने वालों को पुरस्कृत करते हुए, उन्हें सेंटर का कार्य सौंपा जायेगा। जिले में वर्षाकाल को देखते हुए डेंगू और मलेरिया की रोकथाम के लिए भी विशेष प्रयास किये जायेंगे।

यह जानकारी आज यहाँ कलेक्टर श्री आशीष? सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई समयसीमा के पत्रों के निराकरण (टीएल) तथा अंतर विभागीय समन्वय समिति की बैठक में दी गई। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, जिला पंचायत के सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन, आईडीए के सीईओ श्री आर.पी. अहिरवार, अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल, श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिये कि वर्षाकाल को देखते हुए डेंगू और मलेरिया की रोकथाम के लिए एहतियात के रूप में विशेष प्रबंध करें। जिले में इस संबंध में हॉटस्पॉट चिन्हित कर उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होंने स्थिति पर लगातार निगरानी रखने और सतत समीक्षा के निर्देश भी दिये।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई

अधीनस्थ अधिकारियों को दिए कार्यवाही के निर्देश

उज्जैन । कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा मंगलवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में विभि?न्न मामलों में जनसुनवाई करते हुए प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश अधीनस्थ अधिकार?यों को दिए गए।

उन्हेल निवासी श्री मोहनलाल ने आवेदन दिया कि उन्हेल से बेड़ावन मार्ग 4 कि.मी ,बेड़ावन से दल्लाहेड़ा मार्ग 2 कि.मी , दल्लाहेड़ा से धुमाहेड़ा मार्ग 2 कि.मी और धुमाहेड़ा से हताईपालकी मार्ग 3 कि.मी सिंगल होने से आवागमन में आमजन को आए दिन परेशानी का सामना करना पड़ता है । अत~ उक्त मार्गो का चौडीकरण किया जाए । इस पर ईई पीडब्ल्यूडी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए । श्री मोहनलाल ने ग्राम बेड़ावन में पशुचिकित्सालय खोले जाने के लिए भी आवेदन दिया जिस पर उपसंचालक पशुचिकित्सा को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए । महिदपुर तहसील के ग्राम अरन्याबागड़ा निवासी श्रीमती श्यामुबाई ने आवेदन दिया कि उनके पति का स्वर्गवास हो चुका है तथा वह गरीबी रेखा ने निचे जीवन-यापन करती है । उन्हें जीवनयापन हेतु शासकीय भूमि का पट्टा प्रदान किया जाए ताकि वे उसपर कृषि कार्य कर अपने परिवार का भरण पोषण कर सके । इस पर तहसीलदार महिदपुर को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए । उज्जैन निवासी श्री शेकत चन्दा ने आवेदन दिया कि उन्हें एक निजी विद्यालय में प्राचार्य पद के लिए आमंत्रित किया गया था। इस वजह से उन्होंने पूर्व की सेवा से त्यागपत्र दे दिया जब वे संबंधित विद्यालय से पदभार ग्रहण करने के लिए पहुंचे तो उन्हें विद्यालय के द्वारा बताया गया की पूर्व के प्राचार्य के द्वारा पद से त्यागपत्र नहीं दिया गया है । इस प्रकार प्रार्थी के साथ विद्यालय के द्वारा धोकाधडी की गई है । इसपर जिला शिक्षा अधिकारी को मामले की पूरी जांच कर निराकरण करने के निर्देश दिए गए । उज्जैन निवासी श्री कैलाश जैन ने आवेदन दिया कि मक्सी रोड पर स्थित एक निजी कॉलोनी मे सीवर का पानी फुल होने पर नियमित रुप से साफ सफाई नहीं होने से वर्तमान में बारीश के मौसम के दौरान चेंबर से आम रास्तों पर गंदे पानी की निकासी हो रही है । इस पर नगरपालिका निगम के जोनल अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए । इसी प्रकार बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती जयति सिंह एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के द्वारा भी जनसुनवाई की गई ।

पंडित ओम व्यास ओम की 16वीं पुण्यतिथि पर हुई व्यंग्य की बौछारों

हास्य की तालियों की गड़गड़ाहट, ठहाकों की सुनामी लहर से ओम व्यास ओम को ओम प्रेमियों ने हास्यांजलि प्रदान की

उज्जैन। पंडित ओम व्यास ओम की 16वीं पुण्यतिथि पर व्यंग्य की बौछारों, हास्य की तालियों की गड़गड़ाहट, ठहाकों की सुनामी लहर से ओम व्यास ओम को ओम प्रेमियों ने हास्यांजलि प्रदान की।

संयोजक स्वामी मुस्कुराके ने अपनी विशिष्ट शैली में आगाज करते हुए मुस्कुराया की हास्य प्रेमियों का ठहाके लगाना बहुत अनमोल है..बस यूं समझ लीजिए की हास्य प्रेमियों की उपस्थिति ही जीवन के लिए पेरासिटामोल है। ओम हास्याय नमः द्वारा हास्याचार्य पंडित ओम व्यास ओम की स्मृति में शौर्य का सिंदूर सम्मान देवास के अंतरराष्ट्रीय कवि शशिकांत यादव को प्रदान किया। व्यंग्य का तंदूर अलंकरण तराना के डॉ. विक्रम विवेक एवं हास्य का लंगूर नागदा के कैलाश सोनी सार्थक को नवाजा गया। हास्यांजलि समारोह की मुख्य अतिथि नगर पालिक निगम उज्जैन की सभापति कलावती यादव थी। अध्यक्षता स्वस्थ संसार केंद्र के अध्यक्ष प्रेम सिंह यादव ने की। कलावती यादव ने शाल, श्रीफल, दुपट्टा आकर्षक स्मृति चिन्ह एवं अलंकरण द्वारा कवियों का विशिष्ट अभिनंदन किया। अंतर राष्ट्रीय कवि शशिकांत यादव ने अपने विशिष्ट अंदाज मे पाकिस्तान पर तंज करते हुए कहा कि कहा कि ... छोड़ गए थे, दिल तोड़ कर गए थे, मालिक नहीं हो वहां सिर्फ मजदूर हो...दो-दो बार की पिटाई भूल गए प्यारे भाई.. एटम से अकड़े हो, बड़े मगरूर हो ..चीन अमेरिका के जाल में फंस रहे हो...दोगले पड़ोसी बन भाइयों से दूर हो ..मांगने से मिला है ना मिलेगा यह कश्मीर ...देखो आज पाक आटा मांगने को मजबूर है। डॉ विक्रम विवेक ने मालवी छल्लो के माध्यम से काव्य रसिको को आनंदित करते हुए कहा कि...हमने चिट नी करी, जिका मजा आज आई रिया है और चिट का चक्कर में गाम में गन्नाटिया खाई रिया है..भणवा वाला भैया अपनी तकदीर काली मत करजो..परीक्षा में कभी चिट की धान्ताली मत कर जो। नागदा के कवि कैलाश सोनी सार्थक ने पति-पत्नी पर व्यंग्य करते हुए कहा कि ...अब हम शांति से रहेंगे पति-पत्नी में यह फैसला तगड़ा हुआ।

रुद्राभिषेक पूजन 19 से

उज्जैन। शहर के 84 महादेव में से 81वें महादेव श्री पिंग्लेश्वर महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक पूजन 19, 26 जुलाई व 2 अगस्त को किया जाएगा। पिंग्लेश्वर महादेव अनुष्ठान केंद्र द्वारा श्रावण मास में अवंतिका के प्रथम द्वारपाल पिंग्लेश्वर महादेव मंदिर परिसर में रुद्राभिषेक का आयोजन किया जा रहा है। श्रावण मास में रुद्राभिषेक करने से पितृदोष, नवग्रह शांति, विषदोष, रोग, कष्ट, कार्य बाधा, कालसर्प दोष आदि का निवारण होता है, साथ ही सुख-शांति, धन-धान्य, पुत्र प्राप्ति, विवाह आदि मनोरथ पूर्ण होते हैं। मंदिर के पुजारी पं. शिवम शर्मा ने बताया कि शहरवासी इस रुद्राभिषेक में भाग ले सकते हैं।

सिख धर्म के कीर्तनकार राजवीर सिंघ मुछाल बने सीए

उज्जैन। सिख धर्म (गुरबाणी) के राष्ट्रीय कीर्तनकार उज्जैन निवासी राजवीर सिंघ मुछाल पिता हरदीप सिंघ मुछाल ने धर्म के साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी परचम लहराया है। विगत दिनों आए सीए के परिणाम में सीए बनने की सफलता प्राप्त की।

राजवीर सिंघ मुछाल देश के विभिन्न गुरद्वारे साहिब के स्टेजो पर 100 से अधिक बार गुरबाणी कीर्तन और मोटिवेशन की सेवा ले चुके है। राजवीर सिंघ कि उक्त सफलता पर समाज के वरिष्ठ एस.एस.नारंग, इकबाल सिंघ गांधी, चरनजीत सिंघ कालरा, हरदीप सिंघ सलूजा, उद्योगपति श्री नारंग परिवार, बलबीर सिंघ मक्कड़, सीए मुकेश सोनी, मयंक शुक्ला, संजय व्यास एवं अजय व्यास ने भी हर्ष व्यक्त कर शुभकामनाएं दी।

हिन्कारगिरी पर्वत पर पार्श्वनाथ दर्शन कर की अच्छे मानसून की कामना

उज्जैन। अरिहंत सोश्यल ग्रुप द्वारा ग्रुप सदस्यों को एक दिवसीय यात्रा कराई गई। यात्रा की शुरुआत हिन्कारगिरी पर्वत स्थित भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन से हुई, जहां सभी संस्था सदस्यों ने मिलकर उज्जैन सहित पूरे प्रदेश में अच्छे मानसून के लिए नवकार महामंत्र का जाप किया।

यात्रा संयोजक संस्था अध्यक्ष गुणवंत शाह एवं सचिव दिनेश सोलंकी रहे। संस्था संयोजक राजेन्द्र चेलावत ने बताया संस्था विगत 20 वर्षों से अपने सदस्यों को समय समय पर धार्मिक एवं मनोरंजक यात्रा कराने के लिए संकल्पित हैं। अध्यक्ष गुणवंत शाह ने बताया आगामी माह में जैन समाज का सबसे बड़ा त्यौहार पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व आने वाला है, ग्रुप हमेशा की तरह इस बार भी प्लास्टिक मुक्त शहर अभियान के अंतर्गत सभी जिनालयों में कपड़े की थैलियों का वितरण करेगा। जानकारी संस्था सचिव आशिष नांदेचा ने दी। इस अवसर पर रजनी सुभाष सोनी, उषा सुरेश जैन, सुमन दिलीप कोठारी, प्रेमलता प्रकाश बोथरा, ज्योति राजेन्द्र नरेलिया, तन्मय सिमरन शाह, ऋषिका पुलकित जैन, आशा राजेन्द्र पालरेचा, निहारिका अशोक बांठिया, इना लोकेश जैन, अल्का हेमन्त जैन, प्रकाश बाफना, सीमा शाह, मोनिका चेलावत आदि ग्रुप सदस्य मौजूद थे। यात्रा में सभी सदस्यों ने नव संचालित इंदौर मेट्रो ट्रेन के सफर का भी लुफ्त उठाया। इसके बाद सभी दंपति सदस्यों ने एक्वा इमेजिका वाटर पार्क में आनंद किया।

प्रजापति समाज की आराध्या श्री श्रीयादे माता के जीवन चरित्र पर निर्मित फिल्म का भव्य प्रमोशन हुआ

उज्जैन। संपूर्ण विश्व में प्रजापति समाज की आराध्या एवं सनातन धर्म की संरक्षक वेदों की ज्ञाता श्री श्रीयादे माता के सम्पूर्ण जीवन चरित्र को प्रदर्शित करने वाली फिल्म का निर्माण महन्त सिद्धगिरी महाराज के सानिध्य में हुआ है।

यह जानकारी देते हुए प्रजापति चौरासी संघ के अध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री अशोक प्रजापत ने बताया कि सतयुग के प्रथम चरण में वैदिक धर्म की धर्मध्वजा व संस्कारो की पुनः स्थापना श्रीयादे माता ने की थी। श्री श्रीयादे माता का सम्पूर्ण जीवन सचित्र प्रदर्शित किया जाएगा कि कैसे असुर कुल में जन्मे प्रहलाद को धर्म व प्राणियों पर दया करने की शिक्षा श्रीयादे माता ने प्रदान की थी और भक्त प्रहलाद की प्रथम गुरु बनी यह फ़िल्म भारत की पहली फ़िल्म होगी।

संघ के महासचिव राधेश्याम प्रजापति एवं दिनेश कुम्भकार ने बताया कि दिनांक 7 जुलाई सोमवार को प्रातः 9 बजे मातृशक्ति द्वारा भव्य कलश यात्रा क्षिप्रा नदी से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए श्रीयादे माता मंदिर रामघाट पर समाप्त हुई। तत्पश्चात् श्री श्रीयादे शक्ति यज्ञ श्री श्रीयादे महाआरती के तत्पश्चात फ़िल्म के पोस्टर का विमोचन डॉ. सत्यनारायण जटिया एवं श्री अशोक प्रजापत द्वारा किया गया।

संघ के कोषाध्यक्ष श्री किशोर प्रजापति तनोडिया ने बताया कि दिनांक 07 जुलाई 2025 को हजारों-हजार समाजबंधुओं एवं माता बहनों की उपस्थिति में उक्त कार्यक्रम संपन्न हुए। इस आयोजन में पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. सत्यनारायण जटिया, का आतिथ्य भी प्राप्त हुआ। सभी आमंत्रित एवं उपस्थित अतिथीगणों द्वारा श्रीयादे माता के जीवन चरित्र को प्रदर्शित करने वाली फिल्म की मुक्तकंठ से प्रशंसा की गई एवं डॉ. जटिया ने अपने उद्बोधन में बताया कि प्रजापति समाज सृष्टि के आरंभ से ही मानव जीवन को एक नई दिशा देता आ रहा है। यह कर्मशील समाज हैं एवं अन्य लोगों को भी निरंतर श्रम की प्रेरणा देता रहा है। श्रीयादे माता के जीवन पर निर्मित फिल्म में उनके संपूर्ण जीवन चरित्र को चरितार्थ किया गया है उक्त फिल्म में कलाकारों एवं निर्देशक द्वारा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया गया है। निश्चित ही इस फिल्म के प्रचार प्रसार से प्रजापति समाज बंधुओं को अपने गौरवमयी अतीत का ज्ञान होगा एवं उन्हें भविष्य में और अच्छा कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

उक्त कार्यक्रम में फ़िल्म के सह निर्माता श्री कानाराम सेवाराम ऐनिया जालौर एवं धार्मिक फिल्मों के प्रसिद्ध निर्देशक श्री कुमार आचार्य मुंबई का प्रजापति चौरासी संघ द्वारा शाल श्रीफल एवं श्रीयादे माता का स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मान किया गया हैं। मंचीय कार्यक्रम का संचालन श्री दिनेश जी कुंभकार ने किया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com